UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-240 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 12 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी के कारीगरों के लिए बड़ी खुशखबरी, मुफ्त ट्रेनिंग के साथ मिलेगा 10 हजार का टूलकिट और 10 लाख तक लोन

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश सरकार पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना चला रही है. इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक हुनर से जुड़े लोगों को आधुनिक तकनीक और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने में मदद करना है.

योजना के तहत पात्र कारीगरों को मुफ्त प्रशिक्षण, आधुनिक टूलकिट और कारोबार शुरू करने या बढ़ाने के लिए रियायती दर पर लोन की सुविधा दी जाती है. विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का लाभ पारंपरिक शिल्प और पेशे से जुड़े कारीगरों को दिया जाता है. इसमें बढ़ई, दर्जी, नाई, कुम्हार, लोहार, मोची, राजमिस्त्री, बांस-बेंत का सामान बनाने वाले, धोबी, सुनार और हलवाई जैसे पेशे शामिल हैं. सरकार का मकसद इन पारंपरिक कामों से जुड़े कारीगरों को आधुनिक उपकरण और जरूरी प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उनके काम को और बेहतर बनाना है. योजना के तहत पात्र कारीगरों को जिला मुख्यालय पर 6 दिन की मुफ्त ट्रेनिंग दी जाती है. यह प्रशिक्षण उद्योग विभाग की ओर से कराया जाता है. खास बात यह है कि प्रशिक्षण के दौरान कारीगरों के रहने और खाने का खर्च भी सरकार की ओर से वहन किया जाता है. ट्रेनिंग के जरिए कारीगरों को अपने पारंपरिक काम में आधुनिक तकनीक और बेहतर तरीके अपनाने के लिए तैयार किया जाता है. प्रशिक्षण पूरा करने वाले पात्र कारीगरों को उनके ट्रेड और काम के हिसाब से आधुनिक टूलकिट उपलब्ध करायी जाती है. इसकी कीमत करीब 10

हजार रुपये बतायी गयी है. इससे कारीगर अपने काम को कम समय में और बेहतर तरीके से कर सकेंगे. अगर कोई कारीगर अपना कारोबार शुरू करना चाहता है या मौजूदा काम को आगे बढ़ाना चाहता है, तो योजना के तहत उसे 10 हजार रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक के रियायती लोन की सुविधा मिल सकती है. यह ऋण उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है. इस सुविधा का उद्देश्य कारीगरों को आर्थिक मदद देकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है. विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए कुछ जरूरी शर्तें निर्धारित की गयी हैं. आवेदक उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिए. आवेदक किसी पारंपरिक शिल्प या पेशे से जुड़ा होना चाहिए. पिछले दो वर्षों में किसी अन्य केंद्र या राज्य सरकार की योजना से टूलकिट सहायता नहीं ली हो. एक परिवार से केवल एक व्यक्ति को योजना का लाभ दिया जाएगा. पात्रता साबित करने के लिए निर्धारित हलफनामा जमा करना होगा. विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को केंद्र सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना से अलग समझना जरूरी है. पीएम विश्वकर्मा योजना सितंबर 2023 में केंद्र सरकार की ओर से शुरू की गयी थी और इसमें 18 पारंपरिक ट्रेड शामिल हैं. पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 15 हजार रुपये तक की टूलकिट सहायता और प्रशिक्षण के दौरान 500 रुपये प्रतिदिन का स्टाइपेंड जैसे लाभ मिलते हैं. वहीं, उत्तर प्रदेश की विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना राज्य सरकार की अलग योजना है और इसके लाभ व पात्रता की शर्तें अलग हैं. इसलिए दोनों योजनाओं के लिए आवेदन करने से पहले मौजूदा नियम और पात्रता की शर्तों की जांच करना जरूरी है. विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन है. इच्छुक कारीगर diupmsme.upsdc.gov.in पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. आवेदन के लिए आम तौर पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो और संबंधित पेशे या ट्रेड से जुड़ा प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों की जरूरत होती है. आवेदन करने से पहले पोर्टल पर दी गयी मौजूदा पात्रता और दस्तावेजों की सूची जरूर जांच लें.

अगर SP+INC+BSP+ASP एक साथ आए तो क्या होगा रिजल्ट? मायावती की चाल पर टिकी सबकी निगाहें

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। यूपी चुनाव 2027 में क्या अखिलेश यादव और राहुल गांधी कोई नया प्रयोग करने जा रहे हैं? क्या यूपी चुनाव 2027 में एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन बीएसपी और एसपी फिर से साथ आ सकते हैं? उत्तर प्रदेश चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अभी से अपने मोहरे खोलने शुरू कर दिए हैं.

लोकसभा चुनाव 2024 में सपा और कांग्रेस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था. ऐसे में चर्चा शुरू हो गई है कि अगर मायावती की भी एंट्री इंडिया गठबंधन में हो जाए तो बीजेपी के लिए मुसीबत खड़ी हो सकती है? मायावती के बाद बीएसपी के दूसरे नंबर के नेता आकाश आनंद का 'अंकल वाला बयान' काफी वायरल हो रहा है. अकाश आनंद के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में यह बहस छिड़ गई है कि अगर अखिलेश यादव, मायावती, राहुल गांधी और चंद्रशेखर आजाद एक मंच पर आ जाएं, तो बीजेपी के लिए उत्तर प्रदेश में अपना किला बचाना कितना चुनौतीपूर्ण साबित होगा? आइए जानते हैं पिछले कुछ विधानसभा और लोकसभा चुनावों के रिजल्ट नए समीकरण पर कितना असरदार रहा. हाल ही में बीएसपी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने एक रैली में योगी सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला था. वहीं

अखिलेश यादव को 'अंकल' संबोधित करते हुए निशाना भी साधा. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आकाश आनंद फिलहाल अपनी पार्टी के पारंपरिक कैडर और युवाओं त्द्दठ्ठ-ँ को लामबंद करने में जुटे हैं ताकि बीएसपी अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन हासिल कर सके. यद्यपि बसपा सुप्रीमो मायावती अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान करती रही हैं, लेकिन चुनावों में बदलती राजनीतिक परिस्थितियां गठबंधन की नई संभावनाओं के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं करतीं. उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के आंकड़े इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि वोटों का एकीकरण किस तरह बाजी पलट सकता है. 2017 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 39.67% वोट शेयर के साथ 312 सीटें हासिल की थीं. सपा को 21.82% और बीएसपी को 22.23% वोट मिले थे. अलग-अलग लड़ने के कारण दोनों पार्टियों का कुल वोट शेयर लगभग 44% बिखर गया और बीजेपी को प्रचंड बहुमत मिला. 2019 लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के साथ मैदान में उतरी. जब सपा और बसपा एक साथ लड़े, तो बीएसपी को 10 और सपा को 5 सीटें मिलीं, जबकि बीजेपी का सीट आंकड़ा 2014 की तुलना में घटकर 62 पर आ गया था. 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 41.29% वोट शेयर और 255 सीटें हासिल कर सरकार बरकार रखी. सपा का वोट शेयर बढ़कर 32.06% के साथ 111 सीटें जीती. जबकि, बीएसपी का वोट शेयर घटकर 12.89% तक रह गया और मात्र एक सीट रसड़ा पर संतोष करना पड़ा. 2027 यूपी चुनाव को देखते हुए चर्चा शुरू हो गई है कि कांग्रेस सपा के साथ गठबंधन जारी रखेगी या बीएसपी के साथ नया गठबंधन बनाएगी. साल 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने 33.5% वोट शेयर के साथ 37 सीटें जीती. इस चुनाव में कांग्रेस ने एसपी के साथ गठबंधन कर 9.4% वोट शेयर के साथ 6 सीटें अपने नाम की. इंडिया गठबंधन ने कुल 43 सीटें जीतीं और बीजेपी को 33 सीटों पर समेट दिया. बीएसपी को करीब 2.06% राष्ट्रीय वोट शेयर मिला और उसका खाता नहीं खुला. वहीं नगीना सीट से आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद ने बड़ी जीत दर्ज की

यूपी चुनाव 2027 से पहले मायावती ने कर दिया सवर्णों को नाराज? बयान से मिले संकेत

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के एक बयान से उत्तर प्रदेश में सवर्ण मतदाता नाराज हो सकता है. यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने 11 अगस्त, मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में निजी क्षेत्र में आरक्षण की मांग उठा दी है. इस मांग से भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की मुश्किलें तो बढ़ ही सकती हैं, उससे ज्यादा बसपा के लिए टेंशन बढ़ने के आसार हैं.

मायावती ने कहा कि सरकार ने पब्लिक सेक्टर को कमजोर किया, प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा दिया. इससे देश के पूंजीपति और मजबूत होते जा रहे हैं. सर्व समाज से गरीब और बेरोजगार लोग और पिछड़ते जा रहे हैं. अब दलित, आदिवासी व अन्य पिछड़े वर्गों का आरक्षण न के बराबर रह गया है. इसके

बाद भी आरएसएस के लोग इसे निष्प्रभावी बनाने में लगा है.

बसपा चीफ ने मांग की है कि सरकारी नौकरियों में मिल रहे आरक्षण की तरह निजी क्षेत्र में भी आरक्षण मिलना चाहिए.बीजेपी, कांग्रेस पार्टी की तरह हमने जातीवादी, पूंजीवादी मानसिकता से सरकार नहीं चलाई. हमने सर्वजनहिताय के सिद्धांत से सरकार चलाई है. इससे पहले बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को हाईजैक कर लिया. निजी क्षेत्र में आरक्षण की मांग से सवर्ण नाराज हो सकते हैं जिन्हें बसपा अपने साथ लाने की कोशिश कर रही है. बीते दिनों जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव नेएक जनसभा की थी, तब मायावती ने उन पर सवाल उठाए थे. मायावती ने उस वक्त कहा था कि सवर्ण समाज का हित, बसपा में ही निहित है. उन्होंने दावा किया था कि सपा सिर्फ नारों और बयानों में ही सवर्णों का हित देखती है, हकीकत की जमीन पर उनका कोई आधार नहीं है.

प्राइवेट रूप से सादा मशीनों से बोरिंग करा कर आर आर विट मशीन से दर्शायी जाती है बोरिंग

लघु सिंचाई की बोरिंग में 'रिंग मशीन' का खेल? तीन साल के भुगतान की जांच की मांग

- ईमानदारी के नाम पर सबसे ज्यादा छाती ठोकने वाली भाजपा सरकार में है बद से बदतर स्थिति और घोटाले पर घोटाले
- भोले भाले किसानो को समझ मे नही आती अभियंताओं की टेक्निकल भाषा
- आर आर बिट बोरिंग के नाम पर लघु सिंचाई में 3 वर्ष से चल रहा है संगठित घोटाला
- पंजीकृत मशीनों के बजाय दूसरी मशीनों से बोरिंग कराने और फर्मों के नाम भुगतान का आरोप

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद जालौन में मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत किसानों के खेतों में कराई जाने वाली मध्यम एवं गहरी बोरिंग को लेकर गंभीर शिकायत सामने आई है। शिकायतकर्ता ने आयुक्त झांसी मंडल एवं मुख्य अभियंता लघु सिंचाई को पत्र भेजकर प्राइवेट रिंग मशीनों के पंजीकरण से लेकर बोरिंग कार्य और भुगतान तक की प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। शिकायत में पिछले तीन वर्षों में करोड़ों रुपये के कथित अनियमित भुगतान और पंजीकृत मशीनों के स्थान पर अन्य मशीनों से काम कराए जाने के आरोप लगाए गए हैं।

शिकायतकर्ता के अनुसार लघु सिंचाई योजनाओं में प्राइवेट रिंग मशीनों को पंजीकृत करने के लिए शासनादेश, विभागीय सर्कुलर और निर्धारित विधिक प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। आरोप है कि संबंधित वृत्त के अधीन आने वाले खंडों एवं जनपदों में मशीनों के पंजीकरण की प्रक्रिया स्पष्ट और पारदर्शी तरीके से निर्धारित नहीं की गई। इसके चलते पंजीकरण में मनमानी और चयनात्मक प्रक्रिया अपनाए जाने की आशंका जताई गई है।

निरस्तीकरण और नई विज्ञप्ति को लेकर सवाल

शिकायत में अधिशासी अभियंता जालौन के पत्रांक 249 दिनांक 28 जुलाई 2026 तथा पत्रांक 264 दिनांक 28 जुलाई 2026 का उल्लेख करते हुए पंजीकरण प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पूर्व में प्रकाशित पंजीकरण सूचनाओं को बाद में निरस्त किया गया, जबकि उससे पहले ही नई विज्ञप्तियों के माध्यम से आवेदन आमंत्रित कर लिए गए थे। शिकायत में कहा गया है कि यदि पूर्व सूचना निरस्त नहीं हुई थी तो उसके रहते नई सूचना जारी कर आवेदन मांगने की प्रक्रिया की वैधानिकता की जांच आवश्यक है। शिकायतकर्ता ने संबंधित कार्यालयी पत्रों, विज्ञप्तियों और पंजीकरण आदेशों की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

पंजीकृत मशीन की जगह दूसरी मशीन से काम कराने का आरोप

शिकायत में सबसे गंभीर आरोप पिछले तीन वर्षों में कराए गए बोरिंग कार्यों को लेकर लगाया गया है। दावा किया गया है कि पंजीकृत रिंग मशीनों के स्थान पर जेई, एई और ईई स्तर पर अन्य रिंग मशीनों की व्यवस्था कर बोरिंग कार्य कराया गया। आरोप है कि बाद में इन कार्यों को पंजीकृत मशीनों से कराया हुआ दर्शाते हुए संबंधित फर्मों के नाम भुगतान किए गए। शिकायतकर्ता ने बोरिंग कार्य की दर करीब 150 रुपये प्रति फुट बताते हुए दावा किया है कि कई मामलों में वास्तविक कार्य और स्वीकृत भुगतान के बीच लगभग एक लाख रुपये तक के अंतर की स्थिति बनी। आरोप लगाया गया कि इससे किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ को नुकसान पहुंचा और सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका बनी।

मशीन, किसान और भुगतान–तीनों का हो मिलान

शिकायतकर्ता ने जांच के दौरान बोरिंग कार्य से पहले और कार्य के समय के फोटो, वीडियो, कम्प्रेशर एवं मशीनों के साक्ष्य तथा संबंधित किसानों के बयान लिए जाने की मांग की है। साथ ही माप पुस्तिकाओं, बिल-वाउचर, भुगतान अभिलेख और पंजीकृत मशीनों के रिकॉर्ड का मौके पर हुए वास्तविक कार्य से मिलान कराने को कहा है। शिकायतकर्ता ने पिछले तीन वर्षों के सभी रिंग मशीन पंजीकरण, अनधिकृत मशीनों से कराए गए कथित कार्यों, भुगतान और बोरिंग की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। साथ ही निर्धारित मानक के अनुरूप बोरिंग कार्य सुनिश्चित कराने के लिए नियमित और औचक निरीक्षण तथा भौतिक सत्यापन कराने की अपील की गई है। शिकायत में कहा गया है कि जांच में यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और जिम्मेदार फर्मों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

- पुरानी सूचना निरस्त होने से पहले ही नई विज्ञप्ति से आवेदन मांगने पर उठे सवाल
- फोटो-वीडियोग्राफी, किसानों के बयान और अभिलेखों के मिलान से जांच कराने की मांग
- रिंग मशीनों के पंजीकरण से बोरिंग के भुगतान तक सवालों में लघु सिंचाई!
- तीन साल में करोड़ों के कथित अनियमित भुगतान का आरोप, आयुक्त व मुख्य अभियंता से जांच की गुहार

तिरंगा यात्रा!भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से नगर का माहौल देशभक्तिमय हुआ

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा की ओर से मंगलवार की शाम नगर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नगरवासी यात्रा में शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से नगर का माहौल देशभक्तिमय हो गया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ नगर के द्वारिकाधीश मंदिर से हुआ। यहां से तिरंगा लहराते हुए यात्रा झंडा चौराहा पहुंची। इसके बाद सब्जी मंडी, पानी की टंकी होते हुए यात्रा पुराना बस स्टैंड स्थित गांधी स्मारक पहुंची, जहां यात्रा का समापन किया गया। पूरे मार्ग में लोगों ने उत्साह के साथ तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। युवाओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और देशभक्ति गीतों के बीच कार्यकर्ता जोश के साथ यात्रा में आगे बढ़ते रहे। यात्रा के दौरान सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों और अमर बलिदानियों के योगदान को याद करने का संदेश दिया गया। यात्रा में शामिल लोगों ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने का संकल्प भी लिया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश के गौरव, स्वाभिमान और उन वीरों के बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को देश की एकता, अखंडता और सम्मान के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए तथा नई पीढ़ी को भी स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास और बलिदानियों के योगदान से परिचित कराना चाहिए।

तमँचा व कारतूस सहित गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े युवक को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली में तैनात एसआई अमर सिंह को सूचना मिली कि हरकौती मोड़ के पास एक संदिग्ध युवक किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही वह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां संदिग्ध युवक को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई तो पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा व दो कारतूस बरामद किए। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

20 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बेचने के लिए शराब के क्वार्टर लेकर जा रहे युवक को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली में तैनात एसआई अमर सिंह को सूचना मिली कि उरई रोड पर सिहारी पड़ैया संपर्क मार्ग पर एक संदिग्ध युवक कोई नशीला पदार्थ लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही संदिग्ध युवक ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर सिरसा कलार निवासी जीतू उर्फ गोविंद को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके पास से 20 क्वार्टर देशी शराब के बरामद किए। पूछतांछ में उसने बताया कि वह शराब बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हार जीत की बाजी लगा रहे दो जुआड़ी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। हार जीत की बाजी लगा रहे दो लोगों को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा है। जबकि तीन आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सोमवार की रात करीब 10 बजे चौकी प्रभारी मनीष तिवारी को सूचना मिली कि गुरू मस्तराम आश्रम के पास कुछ लोग रात के अंधेरे में हार जीत की बाजी लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही वह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देखते ही जुआ खेल रहे लोगों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने मौके से सहावनाका निवासी जितेंद्र व पहलवानबाड़ा निवासी राशिद खान को दबोच लिया। जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर हिरदेशाह निवासी वसीम, तौहीद व तोपखाना निवासी नसीम मौके से भाग निकले। पुलिस ने मालफलड़ पर 47500 रुपये नकद और जामा तालाशी में 2200 रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा पुलिस ने ताश के पत्ते भी बरामद किए। पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोचिंग जा रही छात्रा को रास्ते में रोककर उसके साथ अश्लील हरकतें करने पर हुई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। कोचिंग जा रही छात्रा को रास्ते में रोककर उसके साथ अश्लील हरकतें करने एवं विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने की शिकायत छात्रा के पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी बीती चार अगस्त की शाम घर से कोचिंग जा रही थी। तभी रास्ते में कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौधरयाना निवासी युवक अभिकुमार व उसके एक अज्ञात साथी उनकी बेटी को रास्ते में रोक लिया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगे। जब बेटी उनकी हरकतों का विरोध किया तो युवकों ने उसके साथ गाली, गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोरगुल सुनकर जब आसपास के लोग बेटी को बचाने के लिए आए तो दोनों शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। डर की वजह से बेटी ने कुछ दिनों तक इसकी जानकारी नहीं दी। अभी तक बेटी ने इस घटना के बारे में बताय तो वह रिपोर्ट दर्ज कराने आए हैं। पीड़ित की पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जांच अधिकारी एसएसआई संजय कुमार यति ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जहां उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

आईसीएसई बोर्ड यूपी स्टेट कबड्डी प्रतियोगिता में लौना के चार खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ग्रामीण अंचल में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इसे एक बार फिर ग्राम लौना के चार कबड्डी खिलाड़ियों ने साबित कर दिखाया है। आईसीएसई बोर्ड यूपी स्टेट कबड्डी प्रतियोगिता में लौना के अर्पित, सुमित, हर्ष और अमन ने अपनी-अपनी श्रेणी में दमदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की टीम को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के बाद उनके परिजनों के साथ ही गांव और जिले के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में अंडर-17 वर्ग में अर्पित, सुमित और हर्ष ने टीम की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। वहीं अंडर-14 वर्ग में अमन ने अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। चारों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से टीम को मुकाबलों में मजबूती मिली और अंतत: विद्यालय की टीम प्रतियोगिता में विजेता बनने में सफल रही। लौना के रहने वाले चारों खिलाड़ी लंबे समय से कबड्डी का अभ्यास कर रहे हैं। ग्रामीण परिवेश में रहते हुए नियमित अभ्यास और खेल के प्रति लगन के दम पर उन्होंने अपनी प्रतिभा को निखारा। उनकी क्षमता को देखते हुए ग्लोबल नव जीवन पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद ने चारों खिलाड़ियों को स्पॉन्सर किया। विद्यालय की टीम की ओर से प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलने पर खिलाड़ियों ने भी अपने प्रदर्शन से इस भरोसे को सही साबित किया। खिलाड़ियों की सफलता की जानकारी गांव पहुंचते ही खेल प्रेमियों और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के युवाओं में खेल को लेकर काफी उत्साह है।

समाजसेवी स्वर्गीय लक्ष्मण गोविंद हर्षे की मूर्ति का अनावरण श्रद्धा के साथ किया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज परिसर में मंगलवार को शिक्षा जगत के प्रख्यात व्यक्तित्व एवं समाजसेवी स्वर्गीय लक्ष्मण गोविंद हर्षे की मूर्ति का अनावरण श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री गंगा समग्र रामाशीष ने मूर्ति का अनावरण कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन किया। उन्होंने कहा कि हरसे जी का संपूर्ण जीवन शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा तथा उनकी प्रेरणा से आने वाली पीढ़ी देश और समाज के निर्माण में अपना योगदान देगी।

स्वर्गीय लक्ष्मण गोविंद हर्षे नगर में सरस्वती शिशु मंदिर, स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज, आनंदी बाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज के संस्थापक रहे। वह छत्रसाल इंटर कॉलेज के प्रबंधक भी रहे। नगर में शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। मंगलवार को स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज परिसर में स्थापित शिक्षाविद लक्ष्मण गोविन्द हर्षे की मूर्ति का विधि विधान से पूजा-अर्चना कर राष्ट्रीय संगठन मंत्री गंगा समग्र रामाशीष ने अनावरण किया। मौके पर मौजूद लागों ने फूल मालाएं पहनाकर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के प्रांत अध्यक्ष प्रयागनारायण त्रिपाठी ने शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति के नारों एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इस मौके पर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम जी गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ. नितिन मित्तल, शशिकांत द्विवेदी, आरएसएस के जिला कार्यवाह गौतम त्रिपाठी, सह जिला संघ चालक शिवराम, संध्या हर्षे, सुनीता शर्मा, आलोक हर्षे, प्रधानाचार्य गुरुप्रकाश दीक्षित, डॉ. धर्मेंद्र मिश्रा, देवेंद्र तिवारी, दीपक अग्निहोत्री, मोनिका, वर्षा, रश्मि आदि मौजूद रहे।

सरकार की योजनाओं को पात्र लाभार्थियों उपलब्ध कराना- शीर्ष मिश्रा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 11 अगस्त। नवागंतुक तहसीलदार ने कहां कि प्रत्येक फरियादी की राजस्व संबंधित समस्या को निस्तारण करना तथा करवाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी।

मंगलवार के दिन तहसील कालपी कैंपस कार्यालय में नवागंतुक तहसीलदार शीर्ष मिश्रा ने चार्ज लेने के उपरांत उन्होंने पत्रकार को एक भेंट में अवगत कराया कि मैं जनपद प्रतापगढ़ का मूल निवासी हूं वर्ष 2016 में पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात हो कर जनता की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ था मैं जनपद अमेठी तहसील में रहकर जनता की सेवा में सदैव अग्रसर रहा हूं इसके उपरांत मेरा तबादला जनपद जालौन में हुआ था वर्ष 2023 में तहसीलदार के पद पर प्रोन्नति होकर तहसील जालौन एवं सदर उरई में रहकर जनता की राजस्व संबंधित समस्याओं को निस्तारण कराने में सदैव अग्रसर रहा हू इसके बाद हमारे जिला अधिकारी राजेश कुमार पांडे ने मुझे तहसील कालपी में तैनात किया है मैं उस उम्मीद के तहत फरियादियों की समस्याओं में सदैव खरा उतरूंगा आने वाले फरियादियों राजस्व संबंधित समस्या को आड़े नहीं आने दूंगा उन्होंने कहा कि डीएम एवं शीर्ष अधिकारियों के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने या कराने में सदैव अग्रसर रहूंगा।

बारिश के मौसम में कच्ची सड़क पर चलना हुआ दूभर

मुहल्लावासियो ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच बारिश के मौसम में मिट्टी युक्त कच्चे रास्ते पर, आवागमन में हो रही परेशानी को लेकर शंभूशाह मंदिर के पीछे स्थित कालोनी के लोगों ने एसडीएम अभिनव कुमार को शिकायती पत्र देकर उक्त स्थान पर पक्की सड़क बनवाए जाने की गुहार लगाई है।मुहल्ला गोखलेनगर में शंभूशाह मंदिर के पीछे कालोनी में रहने वाले दर्जनों लोगों ने मंगलवार को एसडीएम को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि बारिश के मौसम में कच्चा रास्ता पूरी तरह से दलदल में तब्दील हो गया है जिस पर पैदल भी नहीं चला जा सकता है।आवागमन में स्कूली बच्चों सहित महिलाओं और बूढ़ों को सर्वाधिक परेशानी उठानी पड़ रही है और आए दिन वाहन फंस रहे हैं, गिर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने उक्त रास्ते को जनहित में पक्का बनवाए जाने की मांग एसडीएम से की है। शिकायतकर्ताओं में मोहन सिंह, श्याम नरेश, बालकिशुन, पवन कुशवाहा, रमाकांत, खेमचंद्र, चंद्रमोहिनी, प्रदीप, खुशी, महादेवी, बृजनन्दन, नवल किशोर, रामबाबू आदि शामिल रहे।

वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 11 अगस्त। जेएम अदालत से आए हुए वारंटी अभियुक्त को उप निरीक्षक ने बीती रात गिरफ्तार कर संबंध वारंट के तहत पुलिस हिरासत में जेल भेजा। पुलिस के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के निर्देश पर उप निरीक्षक शीलेश कुमार ने अदालत से आए हुए वारंट को कोतवाली कालपी कार्यालय से प्राप्त कर पुलिस बल साथ सोमवार की रात वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार करने हेतु में जुटे हुए थे वहीं मुखबिर की सूचना मिलते ही जनपद कानपुर देहात थाना भोगनीपुर कस्बा पुखरायां में पहुंचकर कस्बे का निवासी वारंटी अभियुक्त गोपाल उर्फ करन पुत्र देव सिंह निज निवास दरवाजे के बाहर से गिरफ्तार कर कोतवाली हवालात में बंद किया वहीं मंगलवार को वारंट के तहत पुलिस अभिरक्षा में गारंटी अभियुक्त को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डॉक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

झगड़ा कर रहे अभियुक्त को कालपी पुलिस ने गिरफ्तार कर शांति भंग में किया चालान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 11 अगस्त। उप निरीक्षक रामजीलाल पुलिस बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे वहीं सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने ग्राम मैनूपुर निवासी धीरेंद्र उर्फ धर्मेंद्र पुत्र अमर शंकर जमीन के विवाद पर गाली गलौज कर झगड़ा कर रहा था तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने अभियुक्त खिलाफ चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्त को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

डाई पीकर महिला हुई अचेत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 11 अगस्त। 35 वर्षीय किरन देवी पत्नी उमेश निवासी मैनूपुर गृह कलह से आक्रोशित होकर अचानक घर पर रखी हुई डाई सोमवार की रात पीकर महिला की हालत बिगड़ी घर पर मौजूद परिजनों ने महिला को बिगड़ी हुई हालत में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ने महिला मरीज की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया।

डीएम एसपी ने रात में मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था लिया जायजा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 11 अगस्त। सावन माह में मंदिरों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय तथा पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने देर रात नगर के प्रमुख मंदिरों का निरीक्षण किया अधिकारियों ने मंदिर परिसर में सुरक्षा साफ-सफाई प्रकाश व्यवस्था पेयजल समेत श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं को देखा जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक वनखंडी देवी मंदिर पहुंचे उन्होंने मंदिर के महंत जमुनादास महाराज से मुलाकात कर सावन माह में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या मंदिर की व्यवस्थाओं तथा दर्शन-पूजन के दौरान होने वाली संभावित समस्याओं के बारे में जानकारी ली और मंदिर परिसर का निरीक्षण किया जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने कहा कि सावन माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सजग है उन्होंने अधिकारियों को मंदिरों के आसपास साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि सावन माह को लेकर प्रमुख मंदिरों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की पर्याप्त तैनाती की गई है भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष नजर रखी जा रही है उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार गश्त करते रहें तथा श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखें मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी अतिरिक्त निरीक्षक अवनीश कुमार वरिष्ठ उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह उपनिरीक्षक व पुलिस के जवान मौजूद रहें।

किशोरी के अपहरण के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। किशोरी के अपहरण के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश किया है जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद किशोरी को परिजनों को सौंप दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम क्यामदी निवासी एक पिता ने पुलिस से शिकायत की थी उनकी 15 वर्षीय बेटी को 3 कुछ दिन पूर्व एक युवक बहला फुसला कर भगा ले गया है। पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने और पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस किशोरी व युवक की तलाश कर रही थी। पुलिस ने किशोरी व आरोपी कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम बावली निवासी बॉबी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं, किशोरी को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। छिरिया मलकपुरा चौकी प्रभारी आलोक पाल ने बताया कि आरोपी युवक व किशोरी को बरामद कर लिया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार से थाने में अभद्रता का आरोप, एसओ हटाने की मांग

-जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह राजावत ने एसपी से की कठोर कार्यवाही की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई। रामपुरा थाना क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार के साथ थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह पर कथित रूप से अभद्रता, गाली-गलौज, मोबाइल फोन छीनने, जबरन दूसरे पक्ष के खिलाफ प्रार्थना पत्र लिखवाने और मारपीट की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह राजावत के नेतृत्व में संगठन ने पुलिस अधीक्षक जालौन को शिकायती पत्र देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही जांच प्रभावित न हो, इसके लिए थाना प्रभारी को तत्काल थाने से हटाने की मांग उठाई गई है।

शिकायती पत्र में बताया गया कि रामपुरा थाना क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार करीब 15 वर्षों से प्रिंट मीडिया से जुड़े हैं। आरोप के मुताबिक उन्होंने एक जुलाई को रामपुरा थाने में प्रार्थना पत्र देकर उनके द्वारा स्थापित सिद्ध बाबा की मूर्ति को क्षतिग्रस्त किए जाने की सूचना दी थी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसी बीच रामपुरा क्षेत्र स्थित भैरव बाबा मंदिर की मूर्ति की आंख गायब होने की घटना सामने आई, जिसका समाचार सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हुआ। राकेश कुमार ने अपनी पत्रकारिता की जिम्मेदारी निभाते हुए इस घटना का समाचार तीन अगस्त को अपने समाचार पत्र में प्रकाशित किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि खबर प्रकाशित होने के बाद उसी दिन थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने राकेश कुमार को तत्काल थाने आने के लिए फोन किया। उस समय वह ग्राम गोहन में अपने बीमार पिता की देखभाल कर रहे थे। आरोप है कि थाने पहुंचकर परिचय देने के बाद थाना प्रभारी ने उनके साथ कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी। शिकायत में जातिसूचक अपशब्द कहे जाने का भी आरोप लगाया गया है। इसके बाद उनका मोबाइल फोन छीनकर उन्हें वाहन में बैठाकर भैरव बाबा मंदिर ले जाने की बात कही गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मंदिर पहुंचने के बाद पुजारी से राकेश कुमार के खिलाफ प्रार्थना पत्र लिखवाने का दबाव बनाया गया। इसके बाद उन्हें दोबारा थाने लाया गया और करीब पांच घंटे तक जमीन पर बैठाकर रखा गया। शिकायत में लॉकअप में बंद करने और सिपाही से कथित तौर पर पट्टा चलाने का फरमान सुनाने तथा मारपीट पर आमादा होने के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार विषम परिस्थितियों में काम करते हुए प्रशासन और जनता के बीच महत्वपूर्ण सूचना कड़ी की भूमिका निभाते हैं। संगठन का आरोप है कि यदि किसी पत्रकार के साथ पुलिस अधिकारी द्वारा इस तरह का व्यवहार किया जाता है तो इससे पत्रकारों के साथ-साथ आम नागरिकों में भी भय का माहौल पैदा हो सकता है। संगठन ने पुलिस अधीक्षक से पूरे प्रकरण की गहन एवं निष्पक्ष जांच कराने, जांच को प्रभावित होने से रोकने के लिए थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह को तत्काल रामपुरा थाने से हटाने तथा आरोपों की पुष्टि होने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब मामले में पुलिस प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर नजर रहेगी। अखिलेश योगेश राकेश कुमार छत्रपाल सुनील रजनीश दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे

झूलेलाल की भक्ति में सराबोर हुआ सिंधी समाज

- कथा, सत्संग और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा महोत्सव

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी के तत्वावधान में सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान श्री झूलेलाल के चालिया महोत्सव के अवसर पर मंडपम सभागार में दिव्य सत्संग, अमृत वर्षा, श्री झूलेलाल कथा, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिंधी समाज की महिलाओं और बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में चकरभाटा के पीठाधीश्वर साईं लालदास साहिब ने श्री झूलेलाल की कथा सुनाई और समाज के लोगों को भगवान झूलेलाल के आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं को समाज के उत्थान के लिए आगे आने और बच्चों को सिंधी भाषा से जोड़ने के लिए माताओं को प्रेरित किया। साथ ही शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान झूलेलाल की आरती एवं आराधना से हुई। सिंधी समाज के मुखिया घनश्याम दास जैसवानी और अचीत बलेचा ने साईं लालदास साहिब का मुकुट पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक रमेश चंद्र जुमनानी ने स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर साहित्यकारों, कवियों, मेधावी छात्र-छात्राओं तथा पूज्य सिंधी पंचायत के बुजुर्गों को स्मृति चिन्ह और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले अन्य लोगों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी की ओर से संगत के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। भारतीय सिंधु समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण दास बाबानी ने समाज के विकास और एकजुटता को लेकर अपने विचार रखे। और उत्तर प्रदेश सिंधी अकदमी के अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यों की सराहना की। मोहन रावलानी ने गीत प्रस्तुत कर अतिथियों और समाज के लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कमल राजदेव, जीतू अन्दानी, कपिल आहुजा, कमल छाबड़ा, लक्ष्मण कदौरा, मोनू चावला, जीतू आहुजा, कन्हैया जुमनानी, प्रकाश जुमनानी, नरेश कालरा, शामलाल कालरा, बग्गा लालवानी और शेलू माखीजा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

12 अगस्त को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अनुश्रवण समिति की बैठक

डीबीटी योजनाओं, आधार प्रमाणीकरण व फैमिली आईडी की होगी समीक्षा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 12 अगस्त 2026 को शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) से आच्छादित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

बैठक में नवीन योजनाओं को डीबीटी के अंतर्गत लाने, जनपद के परिवारों के लिए संचालित फैमिली आईडी-एक परिवार एक पहचान के तहत विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं के लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण कराने तथा योजनाओं से वंचित परिवारों को लाभ एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर चर्चा होगी। इसके अलावा जनपद में 5 से 15 वर्ष तथा 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लंबित बायोमैट्रिक अपडेट (एमबीयू), 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के जनसंख्या के सापेक्ष आधार नामांकन की स्थिति तथा राज्य पोर्टल पर लंबित सत्यापनों की संख्या की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आधार नामांकन एवं अद्यतनीकरण के लिए पंजीकृत बेसिक शिक्षा परिषद, महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग को आवंटित किट्स के सापेक्ष उनकी क्रियाशील स्थिति की भी जानकारी ली जाएगी। बैठक में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के सहायक प्रबंधक आशुतोष सिंह भी प्रतिभाग करेंगे और आधार से संबंधित कार्यों के संबंध में उचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति के सदस्यों को निर्देश दिए हैं कि डीबीटी से आच्छादित विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति, अन्य योजनाओं को डीबीटी से जोड़ने की संभावनाओं, लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण एवं आधार सीडिंग तथा डीबीटी से वंचित परिवारों की योजनावार स्थिति से संबंधित तथ्यपरक विवरण तैयार कर 05-05 प्रतियों में 12 अगस्त को अपराह्न 5 बजे तक अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में समय से स्वयं प्रतिभाग करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिंचाई बंधुओं की बैठक में किसानों ने उठाईं समस्याएं, निस्तारण की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के जालौन रोड स्थित नहर निरीक्षण भवन के सभागार में सिंचाई बंधुओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के दर्जनों किसानों ने भाग लेकर सिंचाई से जुड़ी अपनी विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। किसानों ने समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराए जाने की मांग की।

बैठक के दौरान किसानों ने नहरों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता, नहरों की साफ-सफाई, क्षतिग्रस्त नहर एवं माइनरों की मरम्मत सहित सिंचाई व्यवस्था से संबंधित कई मुद्दे अधिकारियों के सामने रखे। किसानों का कहना था कि समय पर सिंचाई की समुचित व्यवस्था न होने से उन्हें फसलों की सिंचाई में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नहरों और माइनरों की नियमित सफाई एवं मरम्मत कराई जाए, ताकि टेल तक पानी पहुंच सके और किसानों को निजी साधनों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने लंबित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने की मांग उठाई। बैठक में अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों के निस्तारण का भरोसा दिलाया। साथ ही सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही। बैठक में किसानों के अलावा सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सर्वर की समस्या से ठप पड़ी सिटी स्कैन सेवा, मरीजों को बाहर जांच कराने की मजबूरी

-सरकारी अस्पताल में लाखों की लागत से लगी मशीन का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा मरीजों को

-सीएमएस डा. जे. जे. राम ने कहा एक सप्ताह के अंदर समस्या का हो जायेगा हल

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला मुख्यालय स्थित पुरुष अस्पताल के बी-ब्लॉक में सरकार की ओर से लाखों रुपये की लागत से सिटी स्कैन मशीन स्थापित की गई है, ताकि दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को अस्पताल में ही निशुल्क सिटी स्कैन की सुविधा मिल सके। लेकिन पिछले काफी दिनों से मशीन की सेवा प्रभावित होने के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सूत्रों के अनुसार, सिटी स्कैन मशीन का सर्वर नहीं आने की वजह से जांच प्रभावित हो रही है। इसके चलते अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को कई बार बिना जांच कराए ही लौटना पड़ता है और मजबूरी में निजी जांच केंद्रों पर सिटी स्कैन करवाना पड़ रहा है। निजी सेंटरों पर जांच कराने में मरीजों को बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों और उनके परिजनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। मरीजों का कहना है कि सरकार की ओर से अस्पताल में निशुल्क सिटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराए जाने का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों को राहत देना है, लेकिन सेवा नियमित रूप से संचालित न होने के कारण उन्हें इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को जांच के लिए बार-बार अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस संबंध में जिला अस्पताल उरई के सीएमएस डा. जे. जे. राम से बात की तो उनका कहना था कि इस समस्या को लेकर नोएडा की कंपनी व जिलाधिकारी को पत्र लिखा जा चुका है तथा एक सप्ताह के अंदर सिटी स्कैन के सर्वर की समस्या हल हो जाएगी। जबकि सिटी स्कैन कक्ष में कार्यरत कर्मचारी से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि सर्वर की समस्या के कारण परेशानी आ रही है। उनका कहना था कि जब सिटी स्कैन मशीन का सर्वर आ जाता है, तब आने वाले मरीजों की जांच कर दी जाती है। मरीजों और तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन से मांग की है कि सिटी स्कैन सेवा को नियमित रूप से संचालित कराने के लिए सर्वर की समस्या का जल्द समाधान कराया जाए, ताकि सरकारी अस्पताल में मिलने वाली निशुल्क जांच सुविधा का लाभ जरूरतमंद मरीजों को मिल सके।

विद्युत समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा शिकायती पत्र, समाधान की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। विद्युत विभाग के अधिकारियों को सौंपे गए शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि गांव में विद्युत व्यवस्था सुचारु नहीं है, जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायती पत्र में कहा गया है कि 28 मई 2026 को विद्युत पोल लगाने तथा लाइन से संबंधित कार्य के लिए अधिकारियों को अवगत कराया गया था। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों के अनुसार कई स्थानों पर विद्युत पोल व तारों की स्थिति ठीक नहीं है, जिससे आए दिन आपूर्ति प्रभावित होती है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत समस्या के कारण किसानों को सिंचाई के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं घरेलू उपभोक्ताओं को भी बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर विद्युत पोल, तार एवं आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त कराने तथा समस्या का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण उच्चाधिकारियों से शिकायत करने को मजबूर होंगे।

खेत से घर लौट रही महिला और 13 वर्षीय किशोर पर सियार का हमला, दोनों घायल

(यंग भारत न्यूज)

उरई। आटा थाना क्षेत्र के कुइयाझोर गांव में जंगली सियार ने अलग-अलग घटनाओं में एक महिला और 13 वर्षीय किशोर पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। लगातार हुई घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, कुइयाझोर निवासी एक महिला खेत से चारा लेकर घर लौट रही थी। गांव के पास अचानक सियार ने उस पर हमला कर दिया और उसके हाथ में काट लिया। महिला के शोर मचाने पर आसपास मौजूद ग्रामीण और चरवाहे मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सियार वहां से भाग गया। कुछ देर बाद सियार ने एक अन्य स्थान पर 13 वर्षीय किशोर को अपना निशाना बना लिया। सियार ने किशोर के सीने में काटकर उसे घायल कर दिया। किशोर की चीख सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सियार को भगाकर किशोर को बचाया। दोनों घटनाओं के बाद गांव में भय का माहौल है। ग्रामीण अपने बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। खेतों की ओर जाने वाले लोग अब समूह बनाकर निकल रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगली सियार को पकड़ने तथा गांव में सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी जिला स्तरीय क्रॉसकंट्री दौड़ प्रतियोगिता

5 किमी पुरुष व 3 किमी महिला वर्ग में खिलाड़ी करेंगे प्रतिभाग, छह स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मिलेगा पुरस्कार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को इंदिरा स्टेडियम उरई में जिला स्तरीय क्रॉसकंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। क्रीड़ा अधिकारी शैलेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के लिए 5 किलोमीटर तथा महिला वर्ग के लिए 3 किलोमीटर दौड़ आयोजित होगी। प्रतियोगिता सुबह 9:30 बजे शुरू होगी।

उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग की दौड़ इंदिरा स्टेडियम के मुख्य द्वार से शुरू होकर कालपी रोड स्थित मारुति सुजुकी कार एजेंसी तक जाकर वापस स्टेडियम के मुख्य द्वार पर समाप्त होगी। वहीं महिला वर्ग की दौड़ इंदिरा स्टेडियम से शुरू होकर एसआर पब्लिक स्कूल मोड़ तक जाएगी और वहां से वापस स्टेडियम में समाप्त होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को 15 अगस्त को सुबह 8:30 बजे इंदिरा स्टेडियम पहुंचकर अपना नाम दर्ज कराने के बाद चेस्ट नंबर प्राप्त करना होगा। प्रतियोगिता में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। पुरुष एवं महिला वर्ग में क्रमशः छह स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को खेल विभाग की ओर से पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। क्रीड़ा अधिकारी ने जनपद के प्रधानाचार्यों, प्राचार्यों, खेल संघों एवं क्लबों से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराने की अपील की है।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मसगायां से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने के मामले में पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उक्त मामले को लेकर पीड़ित पिता ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि दिनांक 30 जून 2026 को वह किसी काम से कालपी गया था, जबकि उसकी पत्नी घर के जानवर चराने के लिए गई थी। उसकी 17 वर्षीय पुत्री घर पर थी। शाम करीब पांच बजे जब वह घर लौटा तो पुत्री घर पर नहीं मिली।

काफी तलाश करने के बाद गांव के लोगों ने बताया कि उसकी पुत्री को ग्राम सोहरापुर निवासी आरोपी सचिंद्र के साथ जाते हुए देखा गया था। परिजनों ने किशोरी की काफी तलाश की, लेकिन उसका अब तक कोई पता नहीं चल सका।पीड़ित पिता ने आरोप लगाया कि नामजद आरोपी उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। शिकायत के आधार पर कोतवाली कालपी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवनिर्मित सदर तहसील परिसर में दो पहिया वाहनों का जमावड़ा

-- ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले किसानों को निकलने में हो रही भारी परेशानी

- तहसील परिसर में पार्किंग की व्यवस्था न होने से बनी समस्या

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला मुख्यालय उरई स्थित नवनिर्मित तहसील परिसर के अंदर पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण तहसील आने वाले दोपहिया वाहन चालक सड़क के बीचोंबीच आड़े तिरछे वाहनों को खड़ा कर देने से तहसील परिसर में आने वाली आम जनता को निकलने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के समाजसेवी लोगों ने उप जिलाधिकारी उत्तम कुमार तिवारी व नवागंतुक तहसीलदार से वाहन पार्किंग की व्यवस्था किये जाने की मांग उठाई है जिससे तहसील परिसर के अंदर आने वाली आम जनता को आने जाने में दिक्कत का सामना न करना पड़े।

सड़क सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, रॉन्ग साइड और तेज रफ्तार पर चलेगा व्यापक अभियान

-अवैध कट, सड़क किनारे निर्माण सामग्री व अतिक्रमण पर संयुक्त कार्रवाई के निर्देश

- दोबारा अवैध कट खोलने वालों पर अवैध कट बंद करके एनएचएआई दर्ज कराए एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक की कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि रॉन्ग साइड वाहन चलाने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चलाने तथा निर्धारित सीमा से अधिक गति से वाहन संचालित करने वालों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि केवल चालान की कार्रवाई तक सीमित न रहते हुए लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जाए, ताकि सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार व्यवहार विकसित हो। जिलाधिकारी ने एनएचएआई एवं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर बने सभी अवैध कटों को तत्काल चिन्हित कर बंद कराया जाए। उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि बंद किए गए अवैध कट को यदि किसी व्यक्ति द्वारा पुनः खोला जाता है तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कट दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शामिल हैं, इसलिए इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट, अधिशासी अधिकारियों, लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के किनारे बालू, ईंट, गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री रखकर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ सड़क पर रखी निर्माण सामग्री को जब्त कर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए, ताकि सार्वजनिक मार्गों पर आवागमन बाधित न हो और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर खराब अथवा निष्क्रिय अवस्था में खड़े वाहनों को भी तत्काल हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर लंबे समय तक खड़े ऐसे वाहन दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं और यातायात की सुगमता प्रभावित करते हैं। संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ऐसे वाहनों को तत्काल हटवाकर यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए। शहरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए नगर निकायों को अवैध होर्डिंग, बैनर एवं अन्य अवैध विज्ञापन सामग्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक मार्गों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग एवं बैनर दृश्यता को प्रभावित करने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था के लिए भी खतरा उत्पन्न करते हैं। ऐसे मामलों में अवैध सामग्री हटाने के साथ संबंधित व्यक्तियों से नियमानुसार जुर्माना भी वसूल किया जाए।जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े अपने-अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के मामलों में यदि किसी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता पाई गई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी संबंधित विभागों की साझा जिम्मेदारी है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच.एन. प्रसाद, सीओ राजीव शर्मा, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, अमित सक्सेना, महेन्द्र सिंह, एआरटीओ सौम्या पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम कैलिया में निकली तिरंगा यात्रा

हाथो में तिरंगा लिए चल रहे लोगो में दिखा जोश

(यंग भारत न्यूज)

कोंच राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव दिवस का संदेश जन जन तक पहुंचाए जाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय सांगठनिक नेतृत्व के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंडल स्तर पर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा तहसील क्षेत्र के ग्राम कैलिया में पूरे उल्लास के साथ निकाली गई।

माधौगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कोंच ग्रामीण मंडल द्वारा मंगलवार को कैलिया में निकाली गई तिरंगा यात्रा की शुरुआत पंचायत भवन से विधायक मूलचंद्र निरंजन, एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन, भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू पटेल बोहरा ने तिरंगा ध्वज लहराकर की। तिरंगा यात्रा समूचे कैलिया का भ्रमण कर पुनः पंचायत भवन पहुंची जहां स्वतंत्रता की लड़ाई में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले माँ भारती के ज्ञात अज्ञात वीर अमर सपूतों को नमन किया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपा नेता, कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और बच्चे अपने हांथों में तिरंगा ध्वज लहराते हुए 'वंदे मातरम' और भारत माता की जय का उद्घोष कर आगे बढ़ रहे थे जबकि युवा डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों पर झूमते नाचते साथ चल रहे थे। भारत माता एवं महारानी लक्ष्मीबाई के स्वरूप में सजकर बग्घी पर सवार बालिकाएँ आकर्षण के केंद्र में रही।वहीं यात्रा के समापन अवसर पर विधायक ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पूर्व मंडल के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अतिथि नेताओं का माल्यार्पण और बैज अलंकरण कर स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में सुरक्षात्मक दृष्टि से थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल की अगुवाई में पुलिस बल मुस्तैद रहा। इस मौके पर मंडल प्रभारी नीरज दुबे, अमित निरंजन, मनोज पालीवाल, शीतल सेंगर, बलराम तिवारी, रमेश मिश्रा, उदयवीर गुर्जर, अवधेश पटेल पचीपुरी, विकास पटेल, गौरी चबोर, रामलला पटेल, नारायण सिंह सहित तमाम गांवों के प्रधान, बीडीसी सदस्य मौजूद रहे।

खेत देखने निकले 24 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर की आत्महत्या

-परिवार में मचा कोहराम, पत्नी और दो मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल

(यंग भारत न्यूज)

उरई । चुर्खी थाना क्षेत्र के ग्राम मुसमरिया में सोमवार देर रात एक 24 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर पेड़ पर युवक का शव लटका देखा तो परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान ग्राम मुसमरिया निवासी स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह के पुत्र अरविंद सिंह उर्फ छोटू (24) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अरविंद सोमवार रात खाना खाने के बाद खेत देखने की बात कहकर घर से निकला था। उसकी मां रमा कांति को लगा कि वह बाहर वाले कमरे में सो गया होगा। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने उसका शव पेड़ पर फंदे से लटका देखा। बताया जा रहा है कि युवक ने अपनी शर्ट का फंदा बनाकर आत्मघाती कदम उठाया। अरविंद के परिवार में उसकी पत्नी सोनम और पांच व तीन वर्ष की दो छोटी बेटियां हैं। घटना के बाद पत्नी, मां और दोनों मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक अरविंद दो भाइयों में छोटा था। उसका बड़ा भाई प्रदीप सिंह मथुरा-वृंदावन गया हुआ है। दोनों भाई मिलकर खेती-बाड़ी का काम करते थे। युवक ने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना पर चुर्खी थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी की फोटो-वीडियो पोस्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

उरई जैसे कस्बाई संस्कृति के शहर में पोर्नोग्राफी का बढ़ रहा है जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई । साइबर क्राइम थाना पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर नाबालिग एवं वयस्क बालक-बालिकाओं के अश्लील फोटो व वीडियो पोस्ट तथा शेयर करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को NCEMC से प्राप्त साइबर टिपलाइन रिपोर्ट के आधार पर साइबर क्राइम थाना जालौन में मु0अ0सं0 23/2026 धारा 294 बीएनएस, 66ब/67/67क आईटी एक्ट तथा 14(1)/15 पॉक्सो एक्ट के तहत जितेंद्र नाथ (करीब 45 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर-05, मेन बाजार, कस्बा एवं थाना नदीगांव, जनपद जालौन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस अधीक्षक जालौन के कुशल पर्यवेक्षण एवं अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 11 अगस्त को आरोपी जितेंद्र नाथ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से दो अदद रियलमी मोबाइल फोन और एक अदद सिम कार्ड बरामद किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाकर नाबालिग एवं वयस्क बालक-बालिकाओं के अश्लील फोटो व वीडियो इंस्टाग्राम के माध्यम से पोस्ट एवं शेयर किए थे। बरामद मोबाइल फोन की जांच में भी आपत्तिजनक फोटो एवं वीडियो पाए गए। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी आसपास के थानों तथा सीमावर्ती जनपदों एवं राज्यों से भी जुटा रही है।

पॉक्सो एक्ट के मामले में अभियुक्त को पांच वर्ष का कारावास

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत मॉनिटरिंग सेल जनपद जालौन एवं कोतवाली उरई पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते पॉक्सो एक्ट के मामले में अभियुक्त को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के कारावास और चार हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त रामनेरेश उर्फ प्रभुनिरंजन उर्फ धूपियावाला पुत्र पूरन सिंह निवासी ग्राम गढ़र, थाना कोतवाली उरई के विरुद्ध कोतवाली उरई में मु0अ0सं0 684/23, धारा 354/323 भादवि एवं 9द्व/10 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के अंतर्गत मॉनिटरिंग सेल तथा कोतवाली उरई पुलिस द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई। इसके परिणामस्वरूप मा0 न्यायालय एडीजे/पॉक्सो कोर्ट उरई, जनपद जालौन ने अभियुक्त रामनेरेश को दोषी पाते हुए पांच वर्ष के कारावास एवं 4,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को न्यायालय से सजा दिलाने की कार्रवाई लगातार जारी है।

कोंच पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।प्रत्याशी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह ने नगर के मुहल्ला गांधीनगर स्थित एक घर पर दबिश देकर वारंटी विनोद कुमार पुत्र भगवानदास को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई के लिए उसे न्यायालय में पेश किया गया है। गौरतलब हो कि विनोद के खिलाफ कोतवाली में दर्ज मामले को लेकर न्यायालय में होने वाली तारीखों से लगातार गैर हाजिर रहने के कारण न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

अस्थाना कलंदरिया पर जुलूस-ए-मोहम्मदी के सदर का हुआ भव्य स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के सागर तालाब स्थित अस्थाना कलंदरिया पर जुलूस-ए-मोहम्मदी के सदर एवं सभासद शमसुद्दीन मंसूरी के स्वागत में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान तंजीम गुलामाने मुस्तफा कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने फूलमालाएं पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और जुलूस-ए-मोहम्मदी की सफलता के लिए एकजुट होकर सहयोग करने का आह्वान किया।स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए जुलूस-ए-मोहम्मदी के सदर सभासद शमसुद्दीन मंसूरी ने कहा कि जुलूस में शामिल सभी लोग अदब और एहतराम के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि जुलूस को खुशनुमा माहौल में मिलजुलकर और आपसी भाईचारे के साथ सफल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि वह अकेले सदर नहीं हैं, बल्कि जुलूस में साथ चलने वाला प्रत्येक व्यक्ति जुलूस का सदर है और सभी की जिम्मेदारी है कि वे अपना सहयोग प्रदान करते हुए आयोजन को कामयाब बनाएं। उन्होंने सभी लोगों से जुलूस के दौरान अनुशासन बनाए रखने और आपसी सौहार्द के साथ शामिल होने की अपील की। स्वागत समारोह के अंत में उपस्थित लोगों को मिष्ठान का वितरण किया गया। इस अवसर पर सज्जादानशीं आरिफ अली शाह, समाजसेवी रहमइलाही कुरैशी, बशीर काजी, हाफिज अत्ताउल्लाह गौरी, समाजसेवी मुस्तकीम मंसूरी, पूर्व सभासद काजी जाहिद, सईद अहमद खन्ना, सैफुल्लाह बटी, पूर्व सभासद शकील मकरानी, साजिद मंसूरी, नईम मंसूरी सहित करीब आधा सैकड़ा लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की खुराक

(यंग भारत न्यूज)

कोंच राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर विकासखंड कोंच के कंपोजिट विद्यालय गोरा करनपुर में छात्र-छात्राओं को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाई गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग निरंजन की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई दवा बच्चों को निर्धारित तरीके से दी गई।

इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाने के साथ ही इसके फायदे और कृमि संक्रमण से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। प्रधानाध्यापक अनुराग निरंजन ने बच्चों को बताया कि पेट में होने वाले कृमि संक्रमण से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे बच्चों में कमजोरी, भूख कम लगना और शारीरिक विकास प्रभावित होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर कृमि मुक्ति की दवा का सेवन बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही बच्चों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, खाना खाने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने तथा स्वच्छ भोजन और पानी का सेवन करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय में बच्चों को दवा खिलाए जाने के दौरान शिक्षकों ने उनकी निगरानी की और उन्हें दवा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई दवा को निर्धारित कार्यक्रम के तहत बच्चों तक पहुंचाने का उद्देश्य उन्हें कृमि संक्रमण से सुरक्षित रखना और उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करना है।विद्यालय परिवार ने अभिभावकों से भी बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।इस मौके पर समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

नगर में भाजपा 12 अगस्त निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच भारतीय जनता पार्टी नगर इकाई द्वारा केन्द्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर आज नगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष अनिल कपूर ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि आज दिन बुधवार को गल्ला मंडी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर से भव्य तिरंगा यात्रा प्रारंभ होगी जो मुख्य मार्ग होते हुए सरोजनी नायडू पार्क पहुंचेगी जहां इसका विधिवत समापन होगा उन्होने बताया तिरंगा यात्रा में जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित सहित जन प्रतिनिधि एवं जिला संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहेगे।नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने नगर वासियो से अधिक से अधिक संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल रहने का आग्रह किया।

ग्राम फुलैला व कूंडा में विधायक ने किया इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण का भूमिपूजन

केंद्र में मोदी एवं प्रदेश में योगी की सरकार में विकास ने पकडी रफ्तार-विधायक

(यंग भारत न्यूज)

कोंच क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने मंगलवार को माधौगढ़ विधानसभा/कोंच ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम फुलैला और कूंडा में डामरीकरण सड़क सहित इंटरलाकिंग एवं पक्की नाली निर्माण हेतु भूमि पूजन किया।ग्राम फुलैला में बुंदेलखंड विकास निधि योजना के अंतर्गत फुलैला से जिला झांसी बॉर्डर स्थित ग्राम इमिलिया तक 1.100 किमी लंबी दूरी की जर्जर पड़ी सड़क का 85 लाख रुपए की लागत से नए सिरे से निर्माण कार्य कराए जाने के साथ ही फुलैला गांव में 500 मीटर लंबी दूरी के रास्ते पर इंटरलॉकिंग और पक्की नाली का 43 लाख रुपए की लागत से निर्माण कार्य कराए जाने के लिए विधायक ने उच्चारित मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। इसी के साथ ग्राम कूंडा में भी त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय से पंचायत घर तक 40 लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण कार्य हेतु विधायक ने भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ कराया। इस मौके पर मौजूद ग्रामीणों के बीच विधायक ने कहा कि उनका लक्ष्य है, एक भी गांव में जर्जर सड़क न रहने पाए। मुख्य सड़कों के साथ ही गांवों के संपर्क मार्गों की सभी सड़कें दुरुस्त बनाने के लिए वह लगातार काम कर रहे हैं। पानी निकासी कि भी समुचित व्यवस्था कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों की मांग पर सभी विकास कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। इससे पहले ग्राम प्रधान की अगुवाई में ग्रामीणों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर पिंकू फुलैला,विकास पटेल सहित भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ताओं सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पति से करवाया तलाक, हवस का बनाया शिकार और फिर मुकर गया 'दरिंदा', बिहार की सनसनीखेज कहानी ने उड़ाए सबके होश

(यंग भारत न्यूज)

पटना। बिहार के वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने युवक पर करीब पांच साल तक शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और ब्लैकमेलिंग का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़िता के मुताबिक, बिदुपुर बाजार निवासी देवेंद्र पंडित के पुत्र सूरज कुमार की उसके पति से दोस्ती थी, जिसके चलते उसका घर आना-जाना था। इसी दौरान आरोपी ने हंसी-मजाक में एक सेल्फी ले ली और फिर उसी निजी तस्वीर को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे अपने जाल में फंसा लिया। डर और दहशत के साए में जी रही पीड़िता धीरे-धीरे आरोपी के शिकंजे में फंसती चली गई। पीड़िता की पहली शादी मुजफ्फरपुर निवासी बिट्टू कुमार से हुई थी, जिससे उसके दो बच्चे भी हैं। शातिर आरोपी सूरज ने सुनियोजित साजिश के तहत महिला के पति को शराबी बताते हुए उसे अपने पाले में लिया। आरोपी ने पीड़िता को यह सब्जबाग दिखाया कि वह उससे बेइंतहा मोहब्बत करता है और पति से तलाक मिलते ही वह उससे धूमधाम से शादी कर लेगा तथा उसके दोनों बच्चों को भी अपनाएगा। आरोपी के इस फरेबी जाल में फंसकर महिला ने अपने हंसते-खेलते परिवार को तोड़ दिया और पति से कानूनी तलाक ले लिया। लेकिन तलाक मिलते ही शातिर सूरज अपने वादे से मुकर गया। तलाक के बाद आरोपी पीड़िता को अपनी हवस का शिकार बनाने के लिए पहले पटना, फिर देश की राजधानी दिल्ली और अंत में गुजरात लेकर गया। शुरुआती कुछ दिन गुजरात में सामान्य बीते, लेकिन जल्द ही महिला को सूरज के किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंधों की भनक लग गई। जब पीड़िता ने इसका पुरजोर विरोध किया, तो हैवान बने सूरज ने उसे बेरहमी से पीटा और कमरे में बंधक बना दिया। हद तो तब हो गई जब गुजरात के स्थानीय थाने में गुहार लगाने के बावजूद कोई मदद नहीं मिली, जिसके बाद पीड़िता किसी तरह अपनी जान बचाकर वापस बिहार लौटी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में यह भी सनसनीखेज खुलासा किया है कि इस पांच साल के काले दौर में उसे दो बार जबरन गर्भपात का दर्द झेलना पड़ा। उसका आरोप है कि पहली बार नागालैंड स्थित आवास पर दवाइयों के जरिए गर्भप्रकरण को अंजाम दिया गया, जबकि दूसरी बार तीन महीने का गर्भ होने के बावजूद आरोपी ने साजिश के तहत उसका गर्भपात करा दिया। जब पीड़िता न्याय की आस में गुजरात से लौटकर सीधे सूरज के घर पहुंची, तो उसका फोन बंद मिला। वहां मौजूद आरोपी के पिता देवेंद्र पंडित और बड़े भाई पंकज कुमार ने उसे जान से मारने और जमीन में जिंदा दफनाने की खौफनाक धमकी देकर वहां से खदेड़ दिया। स्थानीय थानों से मायूस होने के बाद आखिरकार पीड़िता ने हाजीपुर फैमिली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कराया। मामला दर्ज होते ही मुख्य आरोपी सूरज कुमार अपने परिवार सहित फरार हो गया है, और उसके रिश्तेदारों के माध्यम से पीड़िता को लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। वैशाली पुलिस अब इस हाई-प्रोफाइल और सनसनीखेज मामले की गंभीरता को समझते हुए फरार आरोपियों की धर-पकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। हालांकि इन तमाम गंभीर आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी बाकी है, लेकिन इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

आकाश आनंद के अंकल वाले बयान पर अखिलेश की प्रतिक्रिया, जानें क्या कहा?

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के हाथरस में आयोजित चुनावी सभा में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधाते हुए उन्हें अंकल कहा था.

अब बसपा नेता आकाश आनंद के इस बयान पर सपा मुखिया अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है. सपा चीफ अखिलेश यादव ने बसपा नेता आकाश आनंद के अंकल वाले बयान पर कहा कि उस बहस में हम और आप न उलझें, मुद्दा अंकल का नहीं है. वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा-परीक्षा और राम मंदिर दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, इसलिए दोनों मुद्दों पर बहस होनी चाहिए. ये बात जो आज कही जा रही है, वो एक सप्ताह पहले भी कही जा सकती थी. चर्चा के साथ ये भगवान राम का नाम भी लेना चाहते हैं. अगर चर्चा होती तो सदन में भगवान राम का नाम लिया जाता, सदन में राम जी का नाम नहीं लेना चाहते हैं बीजेपी के लोग. वहीं झारखंड के विषय पर बोलते हुए सपा चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि झारखंड के मुद्दे पर मैंने पिछली बार भी आपसे यही कहा था और फिर से कह रहा हूँ, बातचीत ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है और लगातार बातचीत जारी रहनी चाहिए. मुख्यमंत्री और सरकार ने भी कहा है कि वे छात्रों से बातचीत करने के लिए तैयार हैं. इसके साथ ही इस दौरान सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हम लोग चाहते हैं कि मंडी में चंदा चोरी पर चर्चा हो, बहस हो और प्रधानमंत्री जवाब दें. दूसरा, छात्रों पर हुई हिंसा पर गृह मंत्री जवाब दें. आरक्षण की कितनी लूट हो रही है, शिक्षा व्यवस्था ये मुद्दे हैं. मुद्दा अंकल नहीं हैं, सरकार चाहती तो पहले भी चर्चा कर सकती थी. 14-15 दिन बेकार चले गए, सरकार के पास जवाब नहीं है इसलिए भाग रही है. राम मंदिर के मुद्दे पर हर हाल में चर्चा होनी चाहिए.

जेल में कैद थी 6 साल की मासूम, उसे देख आईएएस हुए हैरान, फिर पूछा एक सवाल और बदल दी पूरी जिंदगी

(यंग भारत न्यूज)

दिल्ली: एक पल के लिए सोचिए, एक छोटी बच्ची जिसकी दुनिया स्कूल, खेल का मैदान और दोस्तों से नहीं, बल्कि जेल की ऊंची दीवारों और कैदियों के बीच शुरू हुई हो, तो उसका बचपन कैसा होगा? वह वहीं खेलती थी, वहीं बड़ी हो रही थी और शायद उसे यह भी नहीं पता था कि जेल के बाहर की जिंदगी कैसी होती है.लेकिन एक दिन जेल निरीक्षण पर पहुंचे आईएएस अधिकारी की उससे मुलाकात हुई और उन्होंने उससे सिर्फ एक सवाल पूछा - 'तुम बड़ी होकर क्या बनना चाहती हो?' मासूम बच्ची का जवाब इतना सादगी भरा था कि उसने अधिकारी का दिल छू लिया और उसी पल उसकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया. दरअसल, खुशी नाम की यह बच्ची मुश्किल से कुछ हफ्तों की थी, जब उसकी मां की बीमारी से मौत हो गई. पिता पहले से जेल में बंद थे और परिवार में उसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था. मजबूरी में उसे पिता के साथ जेल में

ही रखना पड़ा. धीरे-धीरे वही जेल उसकी दुनिया बन गई. वहां की दीवारें, कैदी और जेल का माहौल ही उसका बचपन बन गया. वह उन बच्चों की तरह स्कूल नहीं जा पाई, जो हर सुबह बैग लेकर घर से निकलते हैं. साल 2019 में बिलासपुर सेंट्रल जेल का निरीक्षण करने पहुंचे आईएएस अधिकारी संजय कुमार आलंग जेल की व्यवस्था देख रहे थे. इसी दौरान उनकी नजर महिलाओं के बीच खेल रही छोटी खुशी पर पड़ी. एक बच्ची को जेल में देखकर उन्हें हैरानी हुई. उन्होंने जेल प्रशासन से उसके बारे में पूछा और तब उन्हें उसकी पूरी कहानी पता चली. अधिकारी को लगा कि यह बच्ची उन परिस्थितियों में जी रही है, जिन्हें उसने कभी चुना ही नहीं. जब अधिकारी ने खुशी से बात की तो उन्होंने उससे बहुत साधारण सा सवाल पूछा - तुम बड़ी होकर क्या करना चाहती हो? 6 साल की बच्ची का जवाब बेहद सरल था. उसने कहा कि वह अच्छे स्कूल में पढ़ना चाहती है. यह जवाब सुनकर अधिकारी भावुक हो गए. उन्हें समझ आ गया कि जेल की दीवारों के बीच रहने के बावजूद बच्ची के मन में पढ़ने और आगे बढ़ने का सपना जिंदा है. इसके बाद संजय कुमार आलंग ने जेल प्रशासन से बात की और खुशी को बेहतर माहौल दिलाने की कोशिश शुरू की. बिलासपुर के प्राइवेट स्कूल ने उसकी पढ़ाई और रहने की जिम्मेदारी उठाने में मदद की. शुरुआती समय के लिए उसकी देखभाल करने की व्यवस्था भी की गई. इस फैसले के बाद खुशी पहली बार जेल से बाहर की दुनिया में पहुंची. उसे स्कूल जाने, नए दोस्तों से मिलने और सामान्य बचपन जीने का अवसर मिला. खुशी की कहानी बताती है कि शिक्षा केवल किताबें पढ़ने तक सीमित नहीं है. स्कूल बच्चों को नया वातावरण देता है. वे वहां दोस्त बनाते हैं, खेलते हैं, प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं और अपनी रुचियां पहचानते हैं. एक बच्चा डॉक्टर, शिक्षक, खिलाड़ी, कलाकार या साइंटिस्ट बनने का सपना तभी देख पाता है, जब उसे अलग-अलग अनुभव मिलते हैं. खुशी के लिए अच्छे स्कूल में पढ़ना दरअसल एक नई दुनिया देखने जैसा था.

शारीरिक संबंध से संतुष्ट नहीं हूं' शादी के बाद एक महीने में ही पति को छोड़ने वाली ये लड़की कैमरे पर ये सब क्या बोल गई'!.

(यंग भारत न्यूज)

यूपी के हाथरस से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है. यहां एक पत्नी ने शादी के 1 महीने बाद ही अपने पति को छोड़ने का फैसला किया है. लेकिन इसके पीछे की जो वजह उसने बताई है वह हैरान करने वाली सामने आई जानकारी के मुताबिक पत्नी का आरोप है कि उसके पति अभिषेक का रंग सांवला है. इसके साथ ही वह शारिरक रिश्ते से भी संतुष्ट नहीं है.दोनों के बीच चल रहे इस विवाद को काफी सुलझाने की कोशिश की गई. लेकिन अभिषेक की पत्नी अपनी अपनी जिद पर अडिग रही. यह मामला अब हाथरस और आगरा के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. लोग सोशल मीडिया पर पूछ रहे हैं कि क्या अब रिश्तों की उम्र सिर्फ लुक और फिजिकल रिलेशन तक ही सीमित रह गई है?

हाथरस के रहने वाले अभिषेक की शादी सिर्फ 1 महीने पहले हाथरस की रहने वाली एक लड़की के साथ हुई थी. दोनों के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था. लेकिन अचानक पत्नी ने आरोप लगाना शुरू कर दिया कि वह अपने पति के फिजिकल रिलेशन से संतुष्ट नहीं है. पत्नी के लगाए इस आरोप को सुनकर अभिषेक के होश उड़ गए. उसने अपनी पत्नी को मनाने की बहुत कोशिश भी लेकिन पत्नी नहीं मानी. उसने कहा कि 'मेरी शादी को एक महीना हो गया है. मेरा पति एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है. हम दोनों के बीच कोई पारिवारिक प्रॉब्लम नहीं है. कुछ फिजिकल रिलेशन को लेकर समस्याएं हैं. कुछ बातें ऐसी हैं जो मैं खुलकर नहीं बता सकती. बस अब मैं साथ नहीं रहना चाहती और चौकी से ही इस मामले को क्लियर करना चाहती हूं.' वहीं दूसरी ओर महिला का पति अभिषेक सक्सेना इस मामले से पूरी तरह टूट चुका है. उसका कहना है कि शादी दोनों परिवारों की रजामंदी से हुई थी. लेकिन अब पत्नी को उनका सांवला रंग खटकने लगा है. अभिषेक ने इमोशनल होते हुए कहा कि' शादी में करीब 2.5 से 3 लाख रुपये खर्च हुए थे. अब सिर्फ इसलिए रिश्ता टूट रहा है क्योंकि मैं उसे पसंद नहीं हूं. मुझे बहुत दुख हो रहा है.'अभिषेक और उसकी पत्नी के बीच चल रहे इस विवाद को परिजनों ने सुलझाने की काफी कोशिश की. वहीं इसे लेकर पंचायत भी हो चुकी है. अभिषेक ने भी गिड़गिड़ाकर साथ रहने की मिन्नतें कीं. लेकिन दुल्हन अपने फैसले पर अडिग रही. आखिरकार बिना किसी समझौते के दुल्हन ने अलग होने का फैसला कर लिया और रिश्ता एक महीने की छोटी सी पारी के बाद खत्म हो गया.

पति बोला- तुम जाओ बच्चों को मैं पाल लूंगा- फिर बॉयफ्रेंड से करा दी पत्नी की शादी पूरा गांव बना गवाह'..

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के संत कबीरनगर में एक महिला ने दो बच्चों और पति को छोड़कर अपने प्रेमी का हाथ थाम लिया और शादी रचा ली. लेकिन बड़ी बात तो ये है कि ये शादी महिला के पति ने ही कराई है और खुद अपने हाथों से अपनी पत्नी को उसके प्रेमी को सौंप दिया है.

दरअसल, पूरा ममला उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर में धनघटा थाना क्षेत्र के एक गांव का है जहां पति ने अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करा दी. पहले पति ने अपनी पत्नी के साथ कोर्ट से नोटरी बनायी और उसके बाद एक मंदिर में अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी के साथ करा दी. यह बात जंगल में बड़ी तेजी से आग लगने जैसी थी और इलाके में चर्चा का विषय बन गई. जानकारी के मुताबिक लोगों ने बताया कि महिला की शादी 2017 में हुई थी. महिला और उसके पति के दो बच्चे भी हुए. इसी बीच महिला की गांव के रहने वाले एक युवक से आंखें चार हो गईं. यह रिश्ता धीरे-धीरे गांव में चर्चा का विषय हो गया. जब यह बात महिला के पति को पता लगी तो उसने पहले पत्नी को समझाने का प्रयास किया. जब इससे बात नहीं बनी तो उसने गांव वालों के सामने यह बात रखी कि मेरी पत्नी तय करेगी कि वह मेरे साथ रहना चाहती है या फिर अपने प्रेमी के? महिला ने जवाब में प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जताई तो तो सारा समाज दंग रह गया. पति ने कहा ठीक है हम तुम्हारी शादी तुम्हारे प्रेमी के साथ करा देते हैं और बच्चों को मैं खुद पाल लूंगा. महिला बच्चों को छोड़ने के लिए भी राजी हो गई तो समाज ने उसका और उसके प्रेमी का जयमल करा दिया। पति इन सब का साक्षी बना रहा. दरअसल, धनघटा थाना क्षेत्र के कटार जोत गांव के बबलू पुत्र कल्लू की शादी साल 2017 में गोरखपुर जिले के बेल घाट थाना क्षेत्र के भूलनचक गांव निवासी तौली राम की बेटी राधिका के साथ हुई थी. दोनों पति-पत्नी खुशी-खुशी अपना जीवन यापन कर रहे थे. शादी के आठ सालों के दौरान उनके दो बच्चे भी हुए. बड़ा बच्चा सात साल का आर्यन और दो साल की बेटी शिवानी हैं. बबलू रोजी-रोटी कमाने के लिए अक्सर घर से बाहर रहता था.इसी बीच गांव के रहने वाले एक युवक से राधिका का संबंध हो गया और यह लंबे समय तक चलता रहे. जब इसकी जानकारी परिवारवालों को हुई तो उन्होंने बबलू को बताया. वह घर लौटा तो तमाम घटनाओं को नजर में रखते हुए उसने पत्नी की शादी कराने का फैसला लिया और उसे उसके प्रेमी के हवाले कर दिया. इसके बाद वह खुद अपने दो बच्चों के साथ जीवन की नई पारी की ओर चल पड़ा.

यह बड़ी अजीब बात है कि जहां समाज में ऐसे मामलों में हत्या जैसी घटनाएं देखने और सुनने को मिलती है. वहीं इन सब को दरकिनार करते हुए बबलू ने एक मिसाल कायम की है. यह समाज के लिए एक संदेश है , एक आईना है कि दो प्यार करने वालों के बीच इन दो मासूमों का क्या कसूर था जिनकी जिंदगी से मां शब्द इतना दूर चला गया.

हिंदू से मुस्लिम बनी युवतियों की हिरासत पर हाईकोर्ट सख्त, पिता और सरकार पर 25 लाख हर्जाना

(यंग भारत न्यूज)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन (इस्लाम) करने वाली दो बालिग बहनों को उनके पिता द्वारा अवैध हिरासत में रखे जाने के मामले में सख्त फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दोनों युवतियों को उनकी इच्छानुसार किसी भी स्थान पर रहने और अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ जीवन जीने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की है। इसके साथ ही बालिग बेटियों के मौलिक अधिकारों का हनन करने और उन्हें अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने के लिए उनके पिता और उत्तर प्रदेश सरकार को संयुक्त रूप से 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन ने दोनों बहनों कोई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। न्यायमूर्ति संदीप जैन ने अपने 70 पृष्ठों के विस्तृत आदेश में स्पष्ट किया कि ?व्यक्तिगत स्वायत्तता सर्वोपरि है। संविधान का अनुच्छेद 21 (जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 25 (धर्म और अंत:करण की स्वतंत्रता) प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी पसंद का धर्म चुनने और अपनी मर्जी से रहने का अखंडनीय अधिकार देता है। कोई भी पिता अपनी बालिग संतान को केवल इसलिए घर में कैद नहीं कर सकता कि वह उसके धार्मिक विचारों या व्यक्तिगत निर्णयों से असहमत है। बालिग होने पर पारिवारिक अधिकार संवैधानिक स्वतंत्रता के आगे समाप्त हो जाता है। कोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस तंत्र के रवैये पर भी गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की बजाय पुलिस ने पीड़िता को राहत देने में उदासीनता बरती और अवैध हिरासत को जारी रहने दिया। आगरा के सदर बाजार क्षेत्र निवासी अनिल कुमार भाटिया की दो बेटियों अंशु भाटिया उर्फ अमीना (उम्र लगभग 35 वर्ष, एमएससी, एमफिल व पूर्व प्रवक्ता) एवं दिया भाटिया उर्फ ज़ोया (उम्र लगभग 20 वर्ष, इंटरमीडिएट) ने कोर्ट के समक्ष उपस्थित होकर स्पष्ट और बेबाक शब्दों में बताया कि ?उन्होंने क्रमश: वर्ष 2020 और 2021 में बिना किसी डर, लालच, दबाव या जबरदस्ती के अपनी इच्छा और आत्मिक शांति के लिए इस्लाम धर्म अपनाया था। धर्म परिवर्तन के बाद उनके पिता ने उन्हें घर के भीतर जबरन अवैध रूप से बंधक बना लिया। उनके शैक्षणिक दस्तावेज, पासपोर्ट, बैंक पासबुक व पहचान पत्र जब्त कर लिए और उन पर धर्म वापस बदलने के लिए शारीरिक व मानसिक दबाव बनाया। ?दूसरी ओर, पिता ने आगरा के सदर बाज़ार थाने में जबरन धर्म परिवर्तन का आरोप लगाते हुए मुक़दमा दर्ज कराया था, जिसमें बाद में बीएनएस की धाराएं और यूपी धर्मांतरण रोधी अधिनियम 2021 की धाराएं जोड़ी गई थीं। राज्य सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह एक संगठित साजिश का हिस्सा हो सकता है। कोर्ट ने राज्य के तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि दो बालिग महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वेच्छा से धर्म चुनने के अधिकार को महज आशंकाओं के आधार पर छीना नहीं जा सकता। कोर्ट ने दोनों युवतियों दिया भाटिया उर्फ ज़ोया और अंशु भाटिया उर्फ अमीना को तुरंत रिहा करने का निर्देश देते हुए कहा कि वे अपनी इच्छा से कहीं भी रहने और किसी भी व्यक्ति के साथ जाने के लिए स्वतंत्र हैं। कोर्ट ने कहा कि पिता और राज्य सरकार आठ सप्ताह के भीतर दोनों बहनों को बराबर-बराबर (12.5-12.5 लाख रुपये) कुल 25 लाख रुपये का मुआवजा भुगतान करें।

गुलाम मोहम्मद ने ष्टरूयोगी संग बरसाए कांवड़ियों पर फूल, भड़की एआईएमआईएम, पूछा- नमाजियों पर फूल बरसाने की हैसियत है?

(यंग भारत न्यूज)

सावन का महीना है और पूरे यूपी में इस समय कांवड़ यात्रा जारी है। पश्चिमी यूपी में भी शिवभक्त कांवड़िये हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने-अपने शहर के शिवालयों पर लौट रहे हैं। बीते शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ मेले में शामिल होते हुए मेरठ में कांवड़ियों के ऊपर पुष्पवर्षा की।

इस दौरान सिवालखास विधानसभा सीट से आरएलडी के विधायक गुलाम मोहम्मद भी मंच पर मौजूद थे और कांवड़ियों पर सीएम योगी संग मिलकर फूल बरसाए। गुलाम मोहम्मद को लेकर अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भड़क गई है। यूपी में एआईएमआईएम के प्रवक्ता शादाब चौहान ने गुलाम मोहम्मद से पूछा है कि क्या उनके अंदर नमाजियों के ऊपर फूल बरसाने की हिम्मत है? मंगलवार को शादाब चौहान ने अपना वीडियो जारी करते हुए कहा, 'मेरठ की सिवाल विधानसभा के एक विधायक हैं, नाम है गुलाम मोहम्मद साहब। इन भाई साहब का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। योगी जी फूल बरसाने आए थे कांवड़ियों पर। अब गुलाम साहब जो हैं, वो ऐसा घुस रहे हैं कि बस कैसे ही मौका मिल जाए मुझे फूल बरसाने का। जैसे लग रहा है कि जिंदगी का एक ही मकसद है, बस मेरा बेड़ा पार हो जाएगा। एक मौका मिल जाए मुझे योगी जी के साथ फूल बरसाने का। शादाब चौहान ने आगे कहा, 'खैर, वो उनका संवैधानिक अधिकार है, हमें कोई आपत्ति नहीं। वो पूजा करें, वो कांवड़ियों पर फूल बरसाएं, वो कांवड़ लेकर आएं, वो सनातन धर्म स्वीकार कर लें, वो तिलक लगाएं, वो टोपी लगाएं, जिस धर्म का चाहे पालन करें, वो उनका संवैधानिक अधिकार है, उस पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन, सवाल यह है कि सिवाल विधानसभा के लोगों ने, खास करके मुसलमानों ने आपको भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए वोट दिया था। आपको योगी सरकार की गलत

नीतियों के विरुद्ध वोट किया था।शादाब चौहान ने पूछा, 'आप बता दीजिए कि जब से आप उधर हैं, पिछले तीन सालों में क्या मुसलमानों की मॉब लिंचिंग नहीं हुई? क्या मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर नहीं चले? क्या मुसलमानों के फर्जी एनकाउंटर नहीं हुए? क्या मस्जिद, मदरसों को टारगेट नहीं किया गया? क्या मुसलमानों की तौहीद के साथ कॉम्प्रोमाइज करने वाला वंदे मातरम पर कानून नहीं लाया गया पार्लियामेंट में? क्या जिस प्रकार से आप फूल बरसा रहे थे, आपकी हैसियत और औकात है कि आप नमाजियों पर फूल बरसा सकें? क्या सिवाल की जनता ने आपको इसीलिए वोट दिया था? क्या यह सिवाल खास की जनता के साथ गद्दारी नहीं है? गुलाम मोहम्मद राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के नेता हैं और मेरठ की सिवालखास विधानसभा सीट से विधायक हैं। आरएलडी से पहले गुलाम मोहम्मद समाजवादी पार्टी में भी रह चुके हैं। 2012 में वह सपा के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। बीते 8 अगस्त को सीएम योगी के साथ मेरठ में मंच पर बीजेपी नेताओं के साथ वह भी मौजूद थे और कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की थी।

646 दिन बाद सरफराज की टेस्ट टीम में वापसी, कश्मीर में घटाया 17 किलो वजन

नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम में वापसी करने से कुछ दिन पहले सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर लिखा था 'हो सकता है मैं टीम में फिट न बैठूं, लेकिन मैं अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।' इससे उनके दृढ़ संकल्प का पता चलता है लेकिन वह तब की परिस्थितियों से भी अच्छी तरह अवगत थे।

अब किस्मत ने पलटी खाई और वह फिर से भारतीय टीम का हिस्सा बन गए, जो एक तरह से उनके दृढ़ संकल्प की भी जीत है। साई सुदर्शन के चोटिल होने से सरफराज को भारतीय टीम में जगह बनाने का वह मौका मिल गया, जिसका वे पिछले दो वर्षों से इंतजार कर रहे थे। उन्हें 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। सरफराज ने टीम में शामिल होने के लिए 17 किलो वजन भी घटाया।

रणजी ट्रॉफी में लगाया था तिहरा शतक

मुंबई के रहने वाले इस खिलाड़ी के लिए यह वापसी इससे बेहतर समय पर नहीं हो सकती थी क्योंकि उन्होंने फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किए थे, जिससे पिछले डेढ़ साल में 17 किलो वजन कम करना भी शामिल था। रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक बनाने के बावजूद सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक भारी भरकम शरीर वाला खिलाड़ी माना जाता था लेकिन अब वह अधिक चुस्त-दुरुस्त दिखते हैं, जिससे निश्चित रूप से उनके टी20 खेल में सुधार हुआ है।

15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल

शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में किया अभ्यास

मुंबई में मॉनसून की बारिश के कारण अभ्यास करना संभव नहीं था और इसलिए सरफराज कश्मीर चले गए, जहां उन्होंने अपने कौशल को निखारने के लिए शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में घंटों बिताए। इसलिए उनकी वापसी काफी मायने रखती है, क्योंकि 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार बार नाकाम रहने के बाद टीम से बाहर किए जाने को पचा पाना मुश्किल था। यह एक ऐसी श्रृंखला थी, जिसमें सभी खिलाड़ी असफल रहे लेकिन आखिर में गाज सिर्फ इस 28 वर्षीय खिलाड़ी पर ही गिरी। इसके बाद वे इंग्लैंड गए जहां उन्होंने बेकेनहैम में एक 'इंट्रा-स्क्वाड' मैच (भारत बनाम भारत ए) में शतक बनाने के अलावा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की तरफ से 92 रन बनाए। लेकिन राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी दूर की कौड़ी बनी रही जब तक कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का अपने घरेलू मैदानों पर लचर प्रदर्शन के कारण खतरे की घंटी नहीं बजी।

स्पिन गेंदबाजी खेलने में माहिर सरफराज

सूत्रों की मानें तो टीम प्रबंधन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट से पहले सरफराज के बारे में पूछताछ की थी लेकिन चयन समिति उन्हें वापस टीम में लेने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब सुदर्शन के दाहिने पैर के अंगूठे में लगी चोट के समय पर ठीक नहीं होने के कारण चयन समिति के पास उनकी जगह भरने के लिए तीन विकल्प थे। रुतुराज गायकवाड़, शेख रशीद और सरफराज, जो मौजूदा टीम में कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत के अलावा अच्छा स्पिन गेंदबाजी को खेलने में सबसे माहिर खिलाड़ी हैं। ध्रुव जुरेल कुछ समय से स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए यह निश्चित नहीं कहा जा सकता कि उत्तर प्रदेश का यह खिलाड़ी 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेलेगा।

खबर संक्षेप

ई-स्पोर्ट विश्व कप : ग्रांड फाइनल में भारत की दो टीमें

पेरिस। 'ओरंगुटान' और 'गॉडलाइक ई-स्पोर्ट' ने यहां जारी ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 में 'पबजी मोबाइल विश्व कप (पीएमडब्ल्यूसी)' के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय टीमें बनने का गौरव हासिल किया है। पीएमडब्ल्यूसी ग्रुप चरण में ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पांच में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 32 टीमों को 16-16 के दो ग्रुप में बांटा गया था और प्रत्येक टीम ने 12 मुकाबले खेले। ओरंगुटान ने ग्रुप-ए में 91 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली 'फोर ध्राइव' से 16 अंक पीछे रही। वहीं, गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने ग्रुप-बी में 105 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीजीए सीनियर्स: जीव ने किया सातवां स्थान हासिल

एबरडीन। दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेलकर 2026 स्टेसमोर पीजीए सीनियर्स चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल किया। जीव (54 वर्ष) ने पिछले सत्र में आईजीपीएल कोलंबो में खिताब जीता था। उन्होंने 76, 71, 69 और 70 के कार्ड खेले, जिससे उनका कुल स्कोर दो अंडर रहा। दक्षिण अफ्रीका के डैरेन फिचार्ड ने एबरडीन के ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में पांच शॉट के अंतर से 2026 पीजीए सीनियर्स का खिताब जीता। एक अन्य भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा 74 और 79 के कार्ड खेलने के कारण कट हासिल करने से चूक गए थे। जीव कई सर्किट में खेल रहे हैं, जिनमें भारत में आईजीपीएल, एशियाई टूर, यूरोपीय सीनियर और जापान सीनियर टूर शामिल हैं। अंतिम दौर में तेज हवाओं के बीच जीव ने फ्रंट नाइन के शुरुआती पांच होल में से दो बोगी लगाई।

लंदन चैंपियनशिप : शीर्ष 20 में प्रणवी और अदिति

लंदन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 66 का कार्ड खेला और संयुक्त 19वें स्थान पर रही जबकि अदिति अशोक ने अंतिम दौर में चार अंडर 69 का स्कोर कर संयुक्त 17वां स्थान हासिल किया। प्रणवी तीसरे दौर में निराशाजनक 78 का कार्ड खेलने के बाद अंतिम दौर की शुरुआत में शीर्ष 30 से बाहर थीं। उन्होंने सप्ताह का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12 स्थान की छलांग लगाई। प्रणवी ने 70, 73, 78 और 66 के दौर के साथ कुल 5-अंडर 287 का स्कोर बनाया।

भारतवंशियों की लंदन में धूम, 17 साल के श्रेयस रॉयल की ऐतिहासिक जीत

11 साल की बोधना ने रचा इतिहास, रोमांचक प्लेऑफ में जीता ब्रिटिश शतरंज का खिताब

लंदन

भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गई।

मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से 'गोधना' कहकर उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमारला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया।

बोधना ने लॉकडाउन में शुरू किया था खेलना

'इंग्लिश चेस फेडरेशन (ईसीएफ) के लिए कमेंट्री कर रहे ग्रैंडमास्टर डैनी गॉर्मली ने कहा, 'अविश्वसनीय! बोधना जीत गई है। वह कमाल की खिलाड़ी है, एक ऐसी प्रतिभा जो पीढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है।' बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे, जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, 'मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया।'

बोधना ने पूरी की शानदार हैट्रिक

इसके बाद से उत्तर-पश्चिम लंदन की इस स्कूली छात्रा ने लगातार कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और सबसे कम उम्र की सफल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई है। शतरंज के तेज प्रारूपों में वह पहले ही 'यूके ओपन महिला ब्लिट्ज' चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी है। अब क्लासिकल प्रारूप की इस जीत के साथ 11 वर्षीय बोधना ने शानदार हैट्रिक पूरी कर ली है। इस चैंपियनशिप में उनकी एकमात्र हार छठे दौर में श्रेयस रॉयल के खिलाफ हुई।

श्रेयस ने 9 दौर के बाद हासिल किया शीर्ष स्थान

वहीं श्रेयस रॉयल ने 9 दौर के बाद तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर कुल अंक से ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी ग्रैंडमास्टर्स को आधे अंक से पीछे छोड़ दिया। अपने पहले ब्रिटिश खिताब के साथ उन्होंने विश्व स्तरीय उभरती हुई शतरंज प्रतिभा के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। दक्षिण-पूर्व लंदन के इस किशोर खिलाड़ी ने आगे चलकर ब्रिटेन के प्रमुख युवा शतरंज खिलाड़ियों में अपना स्थान बनाया। इस वर्ष की चैंपियनशिप में उन्होंने शुरुआत से ही साबित कर दिया कि वह स्थापित दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार बन गए।

स्पर्धा में 1,750 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप के 122 वर्षों के इतिहास में 2026 में हुई इस प्रतियोगिता को सबसे बड़ा आयोजन बताया गया क्योंकि इसमें 1,750 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और ओपन चैंपियनशिप के लिए रिकॉर्ड 34,000 पाउंड की पुरस्कार राशि घोषित की गई।

श्रेयस तीन वर्ष की उम्र में बेंगलुरु से ब्रिटेन हुए थे शिफ्ट

भारत में जन्मे श्रेयस तीन वर्ष की उम्र में अपने माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ बेंगलुरु से ब्रिटेन चले गए थे। लगभग 8 वर्ष पहले ईसीएफ ने गृह मंत्रालय (होम ऑफिस) से विशेष अनुरोध किया था कि इस असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी को ब्रिटेन में रहने और अपनी प्रतिभा को निखारने की अनुमति दी जाए। पूर्व मंत्री साजिद जाविद ने श्रेयस की इस जीत के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, '2018 में गृह सचिव के रूप में मैंने श्रेयस और उनके परिवार को ब्रिटेन में रहने की अनुमति देने का निर्णय लिया था। उनकी असाधारण प्रतिभा को खिलते हुए देखना बेहद सुखद है। श्रेयस, पूरे ब्रिटेन को आप पर गर्व है।

सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप

हरियाणा के खिलाड़ियों ने चार पदक कब्जाए

एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता

रोहतक

रहीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में हरियाणा के युवा खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से पूरे देश में राज्य का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक जीते। इसमें टीम इवेंट में एक स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य पदक जीता। वहीं, सिंगल में मन्नत ने रजत पदक जीता। यह प्रतियोगिता 5 से 10 अगस्त तक कोलकाता में आयोजित की गई। रोइंग खेल में हरियाणा लगातार हर उम्र वर्ग में शानदार प्रदर्शन करता आ रहा है। इस सफलता के पीछे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और कुशल मार्गदर्शन का बड़ा योगदान रहा है। टीम को कोच विजेन्द्र सिंह और दीपक रेढू का बेहतरीन मार्गदर्शन मिला, जबकि हरियाणा रोइंग सेक्रेटरी कमल दलाल लगातार खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कोच दीक्षा ने भी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। अंजू, अक्षरा, कार्तिक और जतिन शर्मा ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। हर्ष, रिया देशवाल, पीयूष और लक्ष्मी ने टीम इवेंट में रजत पदक जीता। मयंक, मोहित सिहमार, पूर्व दहल, अक्षय, निर्मल और कार्तिक ने टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। इन सभी खिलाड़ियों की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि ये सभी छात्र विद्या भारती स्कूल, हैबतपुर के हैं। एक ही स्कूल के बच्चों का राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह छा जाना अपने आप में एक मिसाल और पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। शानदार प्रदर्शन के बाद जब यह विजेता टीम वापस लौटेगी, तो गांव में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस ऐतिहासिक जीत ने साबित कर दिया है कि उचित मार्गदर्शन और मेहनत से हरियाणा के युवा हर क्षेत्र में नया मुकाम हासिल कर सकते हैं।

सिनसिनाटी ओपन

चोट के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे नंबर-1 सिनर

नई दिल्ली

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं : सिनर

सिनर ने कहा, अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह साफ पता चल रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।

सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप हुई कमजोर

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्कराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे। इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत को 3 पदक, पूजा सिंह ने किया निराश

यूजीन

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ऊंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। 19 वर्षीय पूजा केवल 1.84 मीटर की ऊंचाई ही पार कर सकीं, जो उनके सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.93 मीटर से काफी कम है।

वह तीन प्रयासों में 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने में नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया की इजोबेल लुइसन-ये ने 1.92 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हंगरी की लिलियाना बटोरी (1.90 मीटर) और स्पेन की ऐताना अलोंसो (1.90 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

रिले टीम रही अंतिम स्थान पर

पूजा ने मई में 1.93 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में नौवें और अंतिम स्थान पर रही। उसने तीन मिनट 45.28 सेकंड का समय लिया।

तलवारबाजी चैंपियनशिप : भारत का दबदबा, अंडर-23 में जीते 17 पदक

नई दिल्ली। भारत के पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए नाइजीरिया के लागोस में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदकों सहित 17 पदक जीते। रविवार से शुरू हुई और 14 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय टीम ने चार स्वर्ण, चार रजत और नौ कांस्य पदक जीते। भारतीय तलवारबाजी संघ के अनुसार भारत ने सेबर, फॉइल और एपी श्रेणियों की सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कम से कम एक पदक जरूर जीता। पुरुषों के सेबर में विकास बाबू ने स्वर्ण पदक जीता। लक्ष्य कक्कड़ ने रजत पदक हासिल किया, जबकि अभिनव आर्य और गौरव मेरवा ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फॉइल स्पर्धा में तेजस पाटिल ने रजत पदक और हेमंत अहलावत ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की एपी स्पर्धा में लोकेश देशवाल ने रजत पदक हासिल किया, जबकि शौर्य अग्निहोत्री और गोविंद अम्बेडकर ने कांस्य पदक जीते। जोहान अंबिंग ने महिला फॉइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि काकामणि ने रजत पदक हासिल किया। महिला एपी स्पर्धा में प्राची लोचन ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियंका वर्मा और अनुप्रिया ने कांस्य पदक जीते।

विश्व चैंपियनशिप : शी से तीन बार हार चुके हैं 21 वर्षीय शेट्टी

युकी से भिड़ेंगे आयुष, आक्रामक खेल से उलटफेर की तैयारी

नई दिल्ली

भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने कहा कि वह अधिक आक्रामक खिलाड़ी बनने की कोशिशों में लगे हैं और उन्हें विश्वास है कि विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में चीन के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ उनकी यह रणनीति कारगर साबित होगी।

विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे आयुष ने कहा कि वह 17 अगस्त से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में किसी बड़े खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे क्योंकि उन्हें वरीयता नहीं मिली है।

आयुष को नहीं मिली वरीयता

आयुष ने कहा, 'मैं ड्रॉ लाइव देख रहा था। जैसे ही मुझे शी के साथ ड्रॉ का पता चला, मैं तैयार हो गया। मुझे वरीयता नहीं मिली है और इसलिए मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार था।' विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी आयुष अभी तक शी से तीन बार हार चुके हैं, जिसमें एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप (एबीसी) का फाइनल भी शामिल है, लेकिन उनका मानना है कि इससे उन्हें काफी सीख मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं उनसे तीन बार हारा हूं, मुझे काफी कुछ सीखने को मिला, खासकर एबीसी फाइनल से। वह रणनीतिक मामलों में मुझसे बेहतर थे लेकिन हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मैं पहले से ज्यादा मजबूत महसूस कर रहा हूं।'

इंडोनेशिया के कोच प्रतामा से ट्रेनिंग ले रहे आयुष

आयुष ने कहा, 'वह निश्चित रूप से कड़ा प्रतिद्वंद्वी है। मुझे एबीसी फाइनल याद है, वह पूरी तैयारी के साथ आया था। मैंने अपने खेल में सुधार किया है। मैं उस मैच का विश्लेषण कर रहा हूं और मानसिक पहलू पर भी ध्यान दे रहा हूं। उसके खिलाफ आपको काफी कड़ी मेहनत करनी होगी।' आयुष इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। वह पीवी सिंधू के भी कोच हैं। उन्होंने कहा, 'हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। मैं फुर्तीला, तेज और आक्रामक बनने की कोशिश कर रहा हूं।' वह युवा खिलाड़ी सिंधू के साथ अभ्यास भी कर रहा है, जिससे उन्हें अपने आक्रामक खेल को निखारने में मदद मिली है।

आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी भारतीय महिलाएं कई मोर्चों पर खुद को आजाद महसूस नहीं कर पाती हैं। सशक्तिकरण के लिए बनाई गईं सरकारी नीतियों, संवैधानिक अधिकार मिलने के बावजूद आज भी वे मानसिक जकड़बंदियों में कैद महसूस करती हैं। देश की आधी आबादी को पूर्ण आजादी की अनुभूति तभी हो सकती है, जब वह इसे अपने मन-जीवन के हर पहलू में महसूस करेगी।

सच्ची अनुभूतियों में बसे आजादी

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

हमारा देश आजाद है। हमारा संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है। मानवीय मोर्चे पर भी स्वतंत्र भारत के समाज में स्त्री-पुरुष समानता का भाव बढ़ा है। बावजूद इसके स्त्रियां मन से आजादी को नहीं जी पातीं। आज भी बहुत-सी महिलाओं के लिए स्वाधीनता जीवन का सहज रूप से जीया जाने वाला हिस्सा नहीं बन सका है। असल में परिवार और परिवेश के हालात ही नहीं, स्वयं महिलाओं का मन भी आजादी के खुशगवार रंगों को जीने में हिचकिचाता है। स्वतंत्र होने के सच्चे भाव-चाव को अपनाने में सकुचाता है। जाने-अनजाने स्त्रियों के विचार और व्यवहार परतंत्रता की अदृश्य परिधि में सिमटकर रह जाते हैं। एक चर्चित और सशक्त विचार है 'मजबूत स्त्रियां आजादी मांगती नहीं हैं, आजादी को जीती हैं।' ऐसे में जरूरी है कि देश की आधी आबादी, अपनी स्वतंत्रता के लिए किसी तरफ न देखे, पूरी सहजता और सच्ची अनुभूतियों संग अपनी आजादी को जीए। कहने का अर्थ है खुदमुख्तारी की उज्ज्वल रंगत खुलकर जीने की सोच ही महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास का सतरंगी उजास भर सकती है।

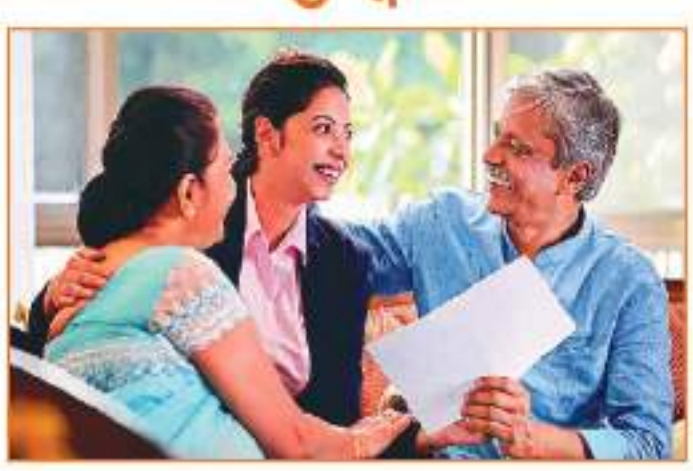

बेहिचक स्वीकारें बदलाव

स्त्रियों के जीवन में समय के साथ बदलने की रफ्तार थोड़ी कम होती है। उनकी जिंदगी का दायरा जरा सिमटा-सहमा ही रहता है। समझना जरूरी है कि बदलाव के इस मोर्चे पर बेहतरी लाने के लिए कोई बाहरी नियम-कायदे काम नहीं आ सकते। सरकार की पॉलिसीज दिल की दुनिया नहीं बदल सकतीं। स्त्रियों को खुद अपने आप को इस बेबसी के तयशुदा घेरे से बाहर लाना चाहिए। गौरतलब है, इस साल हमारा देश अपनी आजादी का 80वां उत्सव मनाने जा रहा है। आजादी के इतने वर्षों में समाज-परिवार और रिश्तों-नातों से जुड़ी अनगिनत बातों-हालातों में बदलाव आने के बाद भी बहुत-सी स्त्रियां मन के बनाए खांचे से बाहर नहीं आ सकी हैं। भावनाओं की उठा-पटक और नएपन को स्वीकारने का भाव आज भी उनकी जिंदगी में मौजूद रहता है। ऐसे में रहन-सहन से लेकर काम-काजी बनने या कुछ मन का करने तक, हर बदलाव को बेहिचक स्वीकारने की सोच बेहद जरूरी है। चर्चित अमेरिकी लेखक हंटर स्टॉकटन थॉम्पसन के मुताबिक, 'स्वतंत्रता एक ऐसी चीज है, जिसका उपयोग नहीं किया जाए तो यह मर जाती है।'

कीजिए खुद को आजाद

महिलाओं के लिए अपनी स्वतंत्रता को सहजता से जीने के लिए अपने मन के बनाए बंधन भी तोड़ने होंगे। सामाजिक-पारिवारिक परिवेश के बरसों से चले आ रहे दबावों और बंदिशों से मुक्त होकर अपनी पसंद को प्राथमिकता देनी होगी। अपनी योग्यता को निखारना होगा। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना होगा। हर डर और हर उलझन से बाहर आकर अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने की राह पकड़नी होगी। असल में भारतीय समाज की रूपरेखा ही ऐसी है कि पहले से बने सामाजिक सांचे ही नहीं, खुद महिलाओं के मन के खांचे भी उन्हें बांधे रखते हैं। दिल की बात कहने से रोकते हैं। उनकी अपनी संवेदनाएं ही बेहिचक अपनी बेहतरी का रास्ता चुनने में बाधा बनती हैं। हमारे यहां स्त्रियां अपने दायित्वबोध के भाव के लिए भी बहुत मान पाती हैं। जरूरी यह है कि यह जवाबदेही आपके अपने जीवन की जद्दोजहद न बढ़ाए। हर मामले में दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार खुद को ढालने के बजाय अपनी सच्ची भावनाओं को जीना ही आजाद होना है। याद रहे, आपके मन की स्वतंत्र अनुभूतियां भीतर की भावनात्मक दुनिया का सच्चा आईना होती हैं। जिसमें सामाजिक नियमों, रूढ़िवादी विचारों, परंपरागत बंधनों और तयशुदा दायित्वों से दूर अपने अस्तित्व, सपनों और संवेदनाओं का प्रतिबिंब दिखता है। अपने इस आंतरिक साए को हर दबाव से आजाद कीजिए।

भावनात्मक मोर्चे पर संतुलन साधिए

आज भी बहुत-सी स्त्रियां अपनी भावनाओं को दबाकर औरों की सहजता के मुताबिक जीती हैं। यह बनावटी बर्ताव बाहरी व्यक्तित्व के रंग तो छीनता ही है, मन को भी अशांत रखता है। यही वजह है कि अपनी सच्ची अनुभूतियों में बसी आजादी को जीने के लिए इमोशनली बैलेंस रहना बेहद जरूरी है। घर हो या बाहर, भावनाओं की स्वायत्तता सबसे जरूरी है। अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और सोच-समझ का एक स्वतंत्र संसार बसाना हर स्त्री के लिए आवश्यक है। देखने में आता है कि मन हो या जीवन, भावनाओं में बहना महिलाओं को पराधीन ही बनाता है। भावनाओं में बहने के बजाय व्यावहारिक सोच अपनाने से अपने अधिकार हासिल करने की सजगता आती है। अपने अस्तित्व को बल मिलता है। स्वतंत्र होने के यही सही मायने भी है। अमेरिकी गायक और गीतकार जिम मॉरिसन के शब्दों में 'स्वतंत्र होने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका वह होना है, जो आप वास्तव में हैं। अगर किसी एक भूमिका के लिए आप अपनी वास्तविकता को छोड़ते हैं। एक खास काम के लिए अपनी भावनाओं से दूरी बनाते हैं। महसूस करने की अपनी क्षमता छोड़कर एक मुखौटा पहन लेते हैं, तो वह आजादी नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर व्यक्तिगत क्रांति हुए बिना बड़े पैमाने पर कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। इस रेवोल्यूशन को पहले आपके अंदर होना होगा। हर स्त्री को यह समझना चाहिए और अपने जीवन में उतारना चाहिए।

विचार

आधी आबादी को ऐसे मिलेगी पूरी आजादी

अपने देश को आजाद हुए आठ दशक हो रहे हैं। इतना वक्त बीतने के बाद भारतीय महिलाओं के संदर्भ में आजादी के क्या मायने हैं? वे कौन से सामाजिक, राजनैतिक कारण हैं, जिससे देश की महिलाएं संपूर्ण आजादी से अभी भी वंचित हैं? महिलाएं संपूर्ण आजादी हासिल करने के लिए स्वयं किस तरह के प्रयास या संघर्ष करें, जिससे उनका बहुमुखी विकास हो? अलग-अलग क्षेत्रों की दो जानी-मानी महिलाएं **सहेली** से साझा कर रही हैं अपने विचार।

सामर्थ्य और चेतना से मिलेगी पूरी आजादी

सूर्यबाला, साहित्यकार

आजादी की बात करने से पहले आजादी का मतलब समझना होगा। आजादी का मतलब अनियंत्रित उच्छृंखलता या अनुशासनहीनता नहीं है। स्त्रियों के संदर्भ में बात करें, तो स्त्री की आजादी का यह भी तात्पर्य नहीं है कि जो-जे पुरुष कर रहा है, वह सब स्त्री भी करे। आजादी हमारा संवैधानिक अधिकार तो है ही! साथ ही यह हमारी संवेदना की चीज है। यह हमारी सोच और समझ से जुड़ी है। सोच-समझ बदलने से ही वास्तविक आजादी प्राप्त होगी। भारतीय समाज का जो ढांचा है, उसमें महिलाओं को वो सुविधाएं मिलें, जिसमें वो अपने मन मुताबिक काम कर सकें। स्त्री की संवेदनाओं को, उसकी आकांक्षाओं को, उसके मन को, उसके श्रम को समझा जाए। स्त्री के पारिवारिक योगदान को कोर्ट-कचहरी आंक रही है, मगर समाज नहीं समझता! यह जरूरी है कि उसके श्रम का सही मूल्यांकन हो। समाज, परिवार उसके महत्व को समझें। उसको सुविधाएं दें। यही महिलाओं के लिए आजादी का सही तात्पर्य है। यदि आज की स्त्री की तुलना हम तीस-चालीस साल पहले की स्त्रियों से करें तब हमें समझते देर न लगेगी कि आज की स्त्री कितनी आजाद है। वह भी समझ आएगा कि स्त्री अपनी आजादी का कितना सदुपयोग व कितना दुरुपयोग कर रही है। मेरे विचार से स्त्री आजादी का जो प्रश्न है, वह कानूनी और संवैधानिक कम और नैतिक-सामाजिक ज्यादा है। पुरुष जब अपनी सोच में उदार होगा तभी स्त्री को उसकी अपेक्षित आजादी मिल पाएगी। हम दशकों से दहेज प्रथा हटाने की बातें कर रहे हैं। लेकिन आज भी यह प्रथा जस की तस कायम है। इसका कारण है हमारा चारित्रिक पतन। इधर कुछ घटनाएं ऐसी घटी हैं, जिनसे स्त्रियों के भी क्रूर रूप को दिखावा है। तो कुल मिलाकर समाज का चारित्रिक पतन हुआ है। जो स्त्री की आजादी में बाधा है। आज की स्त्री अपने प्रकृति प्रदत्त गुणों को छोड़कर पुरुष के गुण-अवगुण को अपना रही है। स्त्री पर तो खुद पुरुष को बनाने की जिम्मेदारी है। वह पुरुष की भी संरक्षिका है। अपने गुणों को छोड़ देगी तो कैसे होगा? स्त्रियों की असली आजादी केवल कानून बनाकर या जबरदस्ती नहीं हासिल की जा सकती। वास्तविक सामर्थ्य और वास्तविक चेतना हासिल करके ही यह आजादी पाई जा सकती है। समाज के प्रति, अपने प्रति, परिवार के प्रति, साथ रहने वालों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने की चेतना जागृत होनी चाहिए। हमें सबकी भावनाओं, जरूरतों का भी ध्यान रखकर चलना होगा। सबका सम्मान करना होगा तभी परिवार समाज और विश्व चल पाएगा।

अभी आजादी की लंबी यात्रा तय करनी है

डॉ. रीता मंगवानी (रिटायर्ड लेफ्टिनेंट) पर्सनालिटी ग्रूमिंग एक्सपर्ट

मेरे लिए आजादी का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की क्षमता है। आज भारतीय महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित की है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि शहरों और गांवों, पढ़ी-लिखी और वंचित महिलाओं के बीच बड़ा अंतर कायम है। इसलिए, मैं कहूंगी कि महिलाओं ने आजादी की ओर लंबी यात्रा तय की है, लेकिन मंजिल तक पहुंचना अभी बाकी है। हमारा संविधान महिलाओं को समान अधिकार देता है, लेकिन असली बदलाव सोच बदलने से आती है। आज भी कई परिवारों में बेटियों और बेटों के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाते हैं। कई महिलाएं योग्य होने के बावजूद केवल इसलिए पीछे रह जाती हैं, क्योंकि उन्हें अवसर या समर्थन नहीं मिलता। कई बार महिलाएं अपनी क्षमता को कम आंकती हैं। वर्षों से बनी सामाजिक धारणाएं उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करती हैं। मेरा मानना है कि जब परिवार, समाज और व्यवस्था, तीनों मिलकर महिलाओं पर विश्वास करेंगे, तभी वास्तविक आजादी का सपना पूरा होगा। महिलाएं शिक्षा को अपनी ताकत बनाएं। संवाद कौशल, आर्थिक समझ, डिजिटल ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे गुण भी विकसित करें। महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना भी बहुत आवश्यक है। महिलाओं के संदर्भ में स्वतंत्र भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब हर बेटी यह विश्वास लेकर बड़ी हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। जिस दिन हर महिला बिना डर, बिना भेदभाव और पूरे सम्मान के साथ अपनी क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग कर पाएगी, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में अपनी आजादी का उत्सव मनाएंगे।

प्रस्तुतिः सरस्वती रमेश, अंशु सिंह

रेसिपी

प्रतिभा अग्निहोत्री

हरियाली तीज (15 अगस्त) के मौके पर हम आपको बता रहे हैं, कुछ स्पेशल मीठे-चटपटे व्यंजनों की रेसिपी। इन्हें बनाइए और परिवार के संग हरियाली तीज करें सेलिब्रेट।

हरियाली तीज पर बनाएं स्वादिष्ट व्यंजन

माल पुआ

सामग्री

(घोल के लिए) मैदा-1 कप, सूजी-1/4 कप, दूध-1/2 कप, पानी-1/2 कप, चीनी-1 टीस्पून, दरदरी कुटी सौंफ-1/2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, ताजा दही-1 टेबल स्पून, तलने के लिए-घी या तेल

(चाशनी के लिए) चीनी-1 कप, पानी-1/2 कप, इलायची 3-4, केसर के धागे-6

विधि

मैदा, सूजी, चीनी, सौंफ, इलायची पावडर, दूध, दही और पानी को मिलाकर पकोड़े जैसा गाढ़ा घोल तैयार करें। अब इसे 30 मिनट के लिए ढंककर रख दें। चाशनी के लिए चीनी और पानी को मिलाकर गैस पर पकाएं। जब चीनी पिघल जाए तो केसर के धागे, इलायची डालें। जब चाशनी अंगुलियों से दबाने पर चिपचिपी लगने लगे तो गैस बंद कर दें। अब कड़ाही में घी गरम करें और इसमें 1 कलछी भर घोल डालें। वह अपने आप कड़ाही में फैल जाएगा। दोनों तरफ से सुनहरा होने तक तलकर तैयार चाशनी में 30-40 सेकेंड के लिए डालकर बाहर निकाल लें। आप चाहें तो इसे रबड़ी के साथ भी सर्व कर सकती हैं।

बेड़मी पूरी

सामग्री

गेहूं का आटा-2 कप, सूजी-1/4 कप, तेल-2 टीस्पून, धुली उड़द दाल-1/2 कप, अदरक-1 छोटी गांठ, हरी मिर्च-3, सौंफ दरदरी पिसी-1/4 टीस्पून, जीरा-1/4 टीस्पून, हींग-1 चुटकी, लाल मिर्च पावडर-1/2 टीस्पून, हल्दी पावडर-1/4 टीस्पून, गरम मसाला-1/2 टीस्पून, नमक-1 टीस्पून, मोयन के लिए तेल-1 टीस्पून, तलने के लिए तेल-आवश्यकतानुसार

विधि

रात भर भीगी हुई दाल को हरी मिर्च और अदरक के साथ मिक्सी में पल्स मोड पर बिना पानी के पीस लें। अब आटे में सूजी, पिसी दाल, सभी मसाले और मोयन अच्छी तरह मिलाएं। धीरे-धीरे मसलते हुए आटे को पूरी जैसा सख्त गूंथ लें। आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। तैयार आटे को सूती कपड़े से ढंककर 20 मिनट के लिए रख दें। 20 मिनट के बाद छोटी सी लोई लेकर पूरी बेलें और गरम तेल में सुनहरा होने तक तलकर बटर पेपर पर निकाल लें, फिर आलू की सब्जी के साथ सर्व करें।

फ्रूट रायता

सामग्री

हंग कर्ड (गाढ़ा या चक्का दही)-2 कप, मोटे-कटे फल-2 कप (सेब, केला, आम, अंगूर, अनार), बारीक कटी मेवा-1 टेबल स्पून, चीनी-2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, गार्निशिंग के लिए पुदीने की पत्तियां-4

विधि

दही को भली-भांति फेंट लें ताकि गुठली न रहे। अब इसमें चीनी, इलायची पावडर, कटे फल और कटी मेवा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। सर्विंग बाउल में डालकर पुदीने की पत्तियों से गार्निश करके सर्व करें।

आस्था

आर. सी. शर्मा

हरियाली तीज ऐसा बहुरंगी धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व है, जिसमें अखंड दांपत्य की कामना के साथ शिव-शक्ति की व्रत-पूजा की जाती है। देश के कई प्रदेशों में यह पर्व पूरे विधि-विधान और सांस्कृतिक उल्लास से मनाया जाता है।

हरियाली तीजः अखंड दांपत्य की कामना-उल्लास का पर्व

सावन की मनोहारी ऋतु में मनाया जाने वाला हरियाली तीज, भारतीय पर्व-संस्कृति का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल धार्मिक व्रत-पर्व भर नहीं, बल्कि प्रकृति, दांपत्य प्रेम, नारी-शक्ति और सामाजिक मेल-मिलाप का भी उत्सव है। यह पर्व श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। उदया तिथि के अनुसार इस वर्ष आगामी 15 अगस्त को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाएगा।

धार्मिक महत्वताः हरियाली तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक जन्मों तक कठोर तपस्या की थी। उनके अटूट संकल्प और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन मिलन की स्मृति में हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन की मंगलकामना के लिए व्रत रखती हैं। वहीं अविवाहित युवतियां योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए माता पार्वती की आराधना करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, समर्पण, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है।

कई प्रदेशों में अलग-अलग है पर्वः हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख हैं-राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली तथा हरियाणा। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर की शाही तीज यात्रा (शाही सवारी) विश्व भर में प्रसिद्ध है।

पर्व मनाने का विधानः हरियाली तीज पर्व मनाने की शुरुआत प्रातः स्नान और पूजा की तैयारी से होती है। महिलाएं नए हरे रंग के वस्त्र धारण करती हैं। हाथों और पैरों में मेहंदी लगाई जाती है तथा सोलह श्रृंगार किया जाता है। पूजा स्थल पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमाएं या चित्र स्थापित किए जाते हैं। उन्हें पुष्प, बेलपत्र, फल, मिठाई और श्रृंगार सामग्री अर्पित की जाती है। महिलाएं निर्जला अथवा फलाहार व्रत रखती हैं, हालांकि व्रत की विधि परिवार और परंपरा के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। पूजा के बाद महिलाएं तीज की कथा सुनती हैं, आरती करती हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देती हैं। इसके साथ ही झूला झूलना, लोकगीत गाना, सामूहिक नृत्य करना और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेना इस पर्व का अभिन्न हिस्सा हैं।

बदलते समय में हरियाली तीजः आज केवल गांव-कस्बों में ही नहीं शहरों-महानगरों में भी हरियाली तीज का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, महिला मंडल और सांस्कृतिक संगठन तीज महोत्सव आयोजित करते हैं। इनमें मेहंदी प्रतियोगिता, लोकनृत्य, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डिजिटल युग में भी इस पर्व की आत्मा वही है- परिवार, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान। साथ ही अब पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी इस पर्व से जोड़ा जा रहा है। कई स्थानों पर तीज के अवसर पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, जिससे 'हरियाली' का वास्तविक अर्थ केवल प्रतीकात्मक न रहकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प भी सिद्ध होता है। हरियाली तीज का यह पर्व केवल व्रत और पूजा का दिन नहीं, बल्कि जीवन में धैर्य, समर्पण, विश्वास और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देने वाला उत्सव भी है।

हेयर स्टाइल

नैंसी गुप्त

हरियाली तीज पर कैरी करें ये एलिगेंट हेयर स्टाइल

हरियाली तीज के दिन महिलाएं पारंपरिक तौर पर सजती हैं। साड़ी, लहंगा या सूट के साथ मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी और गहनों से अपने लुक को संवारती हैं। लेकिन आकर्षक हेयर स्टाइल के बिना कोई भी फेस्टिव लुक अधूरा लगता है। सही हेयर स्टाइल न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है, पूरे एथनिक लुक को भी निखार देती है।

फ्रंट पफ के साथ सिंपल बनः जिन महिलाओं के बाल पतले हैं, वे फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन बना सकती हैं। इससे बाल अधिक घने दिखाई देते हैं और चेहरे को भी आकर्षक फ्रेम मिलता है। यह हेयर स्टाइल गोल और ओवल दोनों तरह के फेस शेप पर अच्छा लगता है। इसके साथ हल्के झुमके और बिंदी आपके लुक को और निखार देंगे।

गजरे वाला लो बन देगा रॉयल लुकः हरियाली तीज पर सबसे पसंदीदा हेयर स्टाइल लो बन है। इसे बनाकर उस पर मोगरा या चमेली का गजरा लगाया जाए तो लुक शाही और पारंपरिक दिखाई देती है। यह हेयर स्टाइल साड़ी, सिल्क सूट और बनारसी लहंगे के साथ खूब जंचता है। लंबे समय तक कंफर्टेबल भी रहता है।

फिशटेल-स्लाइड ब्रेड से मिलेगा एलिगेंट लुकः लंबे बालों वाली महिलाओं के लिए फिशटेल ब्रेड या साइड ब्रेड बेहतरीन विकल्प है। इस चोटी को हल्का लूज रखते हुए उसमें छोटे फूल या स्टोन हेयर एसेसरीज लगाई जा सकती हैं। यह स्टाइल पारंपरिक होने के साथ-साथ फोटोजेनिक भी लगता है और पूरे दिन मेंटेन रहता है।

सॉफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर स्टाइलः यदि आप पारंपरिक और मॉडर्न लुक का संतुलन चाहती है, तो सॉफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर स्टाइल अच्छा विकल्प है। बालों के ऊपरी हिस्से को हल्के ट्विस्ट या छोटी चोटी के साथ पिनअप कर दें और बाकी बाल खुले रखें। इस स्टाइल पर छोटे फूल या पर्ल हेयर एसेसरीज लगाने से लुक और आकर्षक बन जाता है।

फ्लोरल ब्रेडः आजकल फ्लोरल ब्रेड काफी ट्रेंड में है। साधारण चोटी में छोटे-छोटे ताजे फूल या आर्टिफिशियल फ्लोरल एसेसरीज लगाकर उसे नया और खूबसूरत रूप दिया जा सकता है। यह हेयर स्टाइल खासकर युवा महिलाओं और नई नवेली दुल्हनों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

(ब्यूटी एवं हेयर एक्सपर्ट पूजा नागपाल से बातचीत पर आधारित)

भाजपा जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक संपन्न, डिजिटल लर्निंग अभियान पर दिया जोर

-तिरंगा यात्रा को सर्वव्यापी बनाने पर मंथन
- सभी प्रभारी अपना प्रवास पत्रक समय पर जमा करे
-टिफिन बैठक - संगठन को प्रभावी बनाने हेतु कार्यकर्ताओं ने साथ भोजन किया और संगठनात्मक चर्चा हुई।

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार आज भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यकारिणी की मासिक 'टिफिन बैठक' का आयोजन स्थानीय भाजपा कार्यालय में गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यों की रूपरेखा तैयार करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मंच पर रहे वरिष्ठ पदाधिकारी

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने की। मंच पर उनके साथ जिला महामंत्री विनोद नायक एवं जिला महामंत्री अरविंद राजपूत, अमित साहू निवर्तमान महामंत्री एवं संयोजक तिरंगा यात्रा अभियान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।बैठक को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने संगठन की मजबूती के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की और आगे की कार्ययोजना साझा की,डिजिटल लर्निंग अभियान प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए इस अभियान के तहत प्रशिक्षण लेना अनिवार्य किया गया है।सरल ऐप पर प्रशिक्षण,बूथ स्तर पर संयोजकों को बैठकें आयोजित कर सभी कार्यकर्ताओं को 'सरल ऐप' का प्रशिक्षण दिलाना होगा। साथ ही, आवंटित बूथों पर प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के प्रसारण और बूथ समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए गए।इसके साथ ही प्रत्येक बूथ पर पन्ना प्रमुख नियुक्त करने और वोटर्स की अद्यतन (अपडेटेड) सूची तैयार करने पर बल दिया गया।सभी पदाधिकारियों से अपने-अपने आवंटित बूथों पर प्रवास करने का आग्रह भी किया गया।

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की रही गरिमामयी उपस्थितिबैठक में संगठन के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारी संख्या में पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इनमें प्रमुख रूप से अभिषेक जैन, मीनू राजावत, अंकित राजा यादव, प्रत्येक बूथ पर कम से कम 25 व्यक्तियों को प्रशिक्षित कर उनके सर्टिफिकेट डाउनलोड कराने और इसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय पर जमा करने के निर्देश दिए गए।मासिक बैठक एवं कार्रवाई रजिस्टर: प्रत्येक शक्ति केंद्र और प्रत्येक बूथ पर मासिक बैठक का कार्रवाई रजिस्टर अनिवार्य रूप से तैयार किया जाएगा। शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी और शक्ति केंद्र प्रवासी की उपस्थिति में शत-प्रतिशत बूथ अध्यक्षों के साथ ये बैठकें संपन्न कराई जाएंगी।'मन की बात' और पन्ना प्रमुख: विनीत खटीक, मोहित पोरवाल,चेतन ओझा, मनोज श्रीवास, मंगल श्रीवास्तव, कपिल बिरसेनिया, कमलेश परिहार, पलविंदर सिंह,मुकुल द्विवेदी,सौरभ बाजपेयी,धीरज गोस्वामी,राहुल कुर्ली ,नीरजा गुप्ता , श्वेता पराशर, सीमा शर्मा , श्यामली सिंह,श्वेता नामदेव,किरण गौतम ,नूपुर पाठक ,कुसुम साहू ,कविता शर्मा,ममता चौरसिया,सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए।बैठक के समापन पर जिला महामंत्री विनोद नायक ने कार्यक्रम में आए हुए सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया ।

मोंठ क्षेत्र में निकाली गयी विशाल तिरंगा यात्रा

(यंग भारत न्यूज)

मोंठ । स्वतंत्रता दिवस और राष्ट्रभक्ति के महापर्व में विशाल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ पूरी विवाह घर मोठ से हुआ हाथों में तिरंगा और दिलों में देशभक्ति का जज्बा लिए युवाओं ने पूरे जोश के साथ यात्रा में सहभागिता की यह यात्रा समथर चिरगांव खुर्द पूँछ होते हुए पुनः पुरी विवाह घर मोठ के लिए रवाना हुई जगह जगह लोगो ने तिरंगा यात्रा का उत्साह पूर्वक स्वागत किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल रहे यात्रा के आयोजक गरौठा विधायक पुत्र राहुल राजपूत रहे उपसभापति एवं राज्य मंत्री पुत्र आशीष कुशवाहा आदि पार्टी के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता युवा शक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही . यह तिरंगा रैली गरौंठा विधायक जवाहरलाल राजपूत सुपुत्र राहुल राजपूत के मुख्य आतिथ्य में निकाली गई। जिसमें नगर व ग्रामीण क्षेत्र वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने देश के प्रति समर्पित व राष्ट्रभक्ति का जज्बा दिखाया। समथर व अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में होते हुए निकाली गई। तिरंगा रैली जहां जहां से निकली नगर व ग्रामीण क्षेत्रवासियों ने रैली में सम्मिलित होकर भारत माता की जय, वंदेमातरम का जयघोष किया और अपने राष्ट्रीय तिरंगे को सलामी दी व पुष्प बरसाकर स्वगत किया। समथर नगर में नगरपालिका अध्यक्ष देवेंद्र सिंह कंसाना ने मनोज कुमार गुप्ता विजय साहनी .आदि पार्षदों सहित तिरंगा रैली का पुष्प बरसाकर जोरदार स्वगत किया गया अपने राष्ट्रीय तिरंगे को सलामी दी। और भारत माता माता की जय, वंदेमातरम का जयघोष किया। इस अवसर पर भरत राजपूत मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र पाल आदि पुलिस प्रशासन की व्यवस्था चाक चौबंद रही समथर थाना अध्यक्ष अतुल कुमार राजपूत एवं उपनिरीक्षक बृजेश कुमार भार्गव शैलेन्द्र सिंह . पुलिस दल बल के साथ मौजूद रहे

बुंवि का 31वां दीक्षांत समारोह 13 अगस्त को

-राज्यपाल की अध्यक्षता में प्रो. नागेश्वर राव होंगे मुख्य अतिथि, 35 कुलाधिपति पदक और 46 विन्यासीकृत पदक होंगे प्रदान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी का 31वां दीक्षांत समारोह 13 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह के आयोजन के लिए अनुमति प्रदान कर दी है। समारोह में उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय बुंदेलखंड क्षेत्र के सात जिलों में पिछले 50 वर्षों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) से ए++ ग्रेड प्राप्त है। विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-रुसा) के अंतर्गत एमईआरयू के लिए चयनित उत्कृष्ट विश्वविद्यालय भी है। विश्वविद्यालय से बुंदेलखंड क्षेत्र के सात जिलों के लगभग 390 महाविद्यालय संबद्ध हैं, जिनमें 3 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय परिसर में 9 संकायों के 27 विभागों में 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जिनमें लगभग 10 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान को एनआईआरएफ में 68वीं रैंक प्राप्त है। वहीं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को श्रेणी-एक (कैटेगरी-वन) का दर्जा प्राप्त है। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद एवं कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय होंगे। वे उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत अभिभाषण से संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। भीलवाड़ा, राजस्थान के पिचवाई चित्रकार दिनेश सोनी को पिचवाई कला के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डी.लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

35 कुलाधिपति पदक-वर्ष 2026 में कुल 35 कुलाधिपति पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 1 स्वर्ण, 16 रजत और 18 कांस्य पदक शामिल हैं। स्वर्ण पदक पाने वालों में 1 महिला और कोई पुरुष नहीं है। रजत पदकों में 15 महिलाएं और 1 पुरुष, जबकि कांस्य पदकों में 12 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। कुल मिलाकर 35 पदकों में 28 महिलाएं और 7 पुरुष हैं। महिलाओं की भागीदारी 80 प्रतिशत और पुरुषों की 20 प्रतिशत है। इसके अलावा 46 विन्यासीकृत पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 37 महिलाएं और 9 पुरुष शामिल हैं। इन पदक प्राप्तकर्ताओं में महिलाओं की भागीदारी 80.40 प्रतिशत तथा पुरुषों की 19.60 प्रतिशत है। 34,947 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां-वर्ष 2026 में कुल 34,947 उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 29,919 स्नातक, 4,945 परास्नातक तथा 83 पीएचडी उपाधियां शामिल हैं। स्नातक उपाधियों में 16,949 महिलाएं और 12,970 पुरुष, परास्नातक में 3,300 महिलाएं और 1,645 पुरुष, जबकि पीएचडी में 46 महिलाएं और 37 पुरुष शामिल हैं। कुल मिलाकर 20,295 महिलाओं और 14,652 पुरुषों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। कुल उपाधि प्राप्तकर्ताओं में महिलाओं की भागीदारी 58.07 प्रतिशत और पुरुषों की 41.93 प्रतिशत है। विभागवार आंकड़ों के अनुसार उपाधि प्राप्त करने वालों में विज्ञान संकाय के 38, वाणिज्य संकाय के 14, विधि संकाय के 4, शिक्षा संकाय के 8 तथा कृषि संकाय के 1 विद्यार्थी शामिल हैं। समारोह को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे 'भारतीय व्यापार महोत्सव 2026' का शुभारंभ

-विशिष्ट अतिथि होंगे केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी
-देश में व्यापार को बढ़ावा देने की ऐतिहासिक पहल

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन ट्रकन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)ट्रु के तत्वावधान में ट्रुउत्तर प्रदेश व्यापार मंडलट्रु के सहयोग से 'भारतीय व्यापार महोत्सव 2026' का भव्य आयोजन 12 से 15 अगस्त 2026 तक प्रगति मैदान, भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जा रहा है। इस महोत्सव का उद्देश्य ट्रुप्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीट्रु के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को गति देना तथा देश में व्यापार एवं उद्योग को नई ऊंचाइयां प्रदान करना है।

उद्घाटन सत्र

महोत्सव का उद्घाटन देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह करेंगे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे:

- श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री
- श्रीमती रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली
- श्रीमती स्मृति ईरानी, पूर्व केंद्रीय मंत्री

कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रुकैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं नई दिल्ली से सांसद श्री प्रवीण खंडेलवालट्रु करेंगे।

महोत्सव की मुख्य विशेषताएं

कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय पटवारी और कैट के प्रदेश महामंत्री श्री कुलदीप सिंह दांगी ने बताया कि यह देश का अब तक का सबसे बड़ा ट्रुस्वदेशी मेला है।

1. 10,000 से अधिक स्टॉल: स्वदेशी उत्पादों, औद्योगिक वस्तुओं एवं स्टार्टअप का प्रदर्शन
2. राज्यों की झलक: विभिन्न राज्यों की संस्कृति, हस्तशिल्प एवं क्षेत्रीय व्यंजनों के विशेष स्टॉल
3. सेमिनार एवं कार्यशालाएं: प्रतिदिन ग्रामीण क्षेत्रों तक भारतीय उत्पाद पहुंचाने, गांव-शहर कनेक्टिविटी और निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष सत्र
4. सरकारी भागीदारी: विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों, राज्य के मुख्यमंत्रियों एवं सरकारी विभागों के स्टॉल। व्यापारी बंधुओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा

झांसी-बुंदेलखंड की सहभागिता

श्री पटवारी ने बताया कि इस महोत्सव में झांसी और बुंदेलखंड से सैकड़ों व्यापारी भाग लेने के लिए आज रात्रि दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल, कैट एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी भी इस चार दिवसीय महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

दीक्षोत्सव के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी में आयोजित किए जा रहे दीक्षोत्सव के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 160 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता के प्रथम दिन 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़ की विभिन्न स्पर्धाओं के हीट्स आयोजित किए गए। इन स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने अपनी गति, शक्ति, सहनशक्ति एवं खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रत्येक हीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी सेमीफाइनल राउंड के लिए किया गया है। सेमीफाइनल मुकाबलों के पश्चात सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी फाइनल मुकाबले में अपना स्थान सुनिश्चित करेंगे। प्रतियोगिता के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से आए छात्र-छात्राओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

प्रथम दिवस की प्रतियोगिताओं के मुख्य अतिथि प्रो. डी. के. भट्ट रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खेल केवल शारीरिक क्षमता को विकसित नहीं करते, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और टीम भावना का भी निर्माण करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे जीत-हार की चिंता किए बिना पूरी निष्ठा, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ प्रतिभाग करें तथा विश्वविद्यालय एवं राष्ट्र का नाम रोशन करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव बबेले ने कहा—खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम

मेजर ध्यानचंद इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन के विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव बबेले ने कहा कि विश्वविद्यालय में दीक्षोत्सव जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि एथलेटिक्स को खेलों की आधारशिला माना जाता है और दौड़, कूद तथा थ्रो जैसी स्पर्धाएं खिलाड़ियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल अकादमिक रूप से ही नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं नेतृत्व क्षमता के स्तर पर भी सशक्त बनाना है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी खेल भावना और अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

डॉ. उपेंद्र सिंह तोमर ने खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

डॉ. उपेंद्र सिंह तोमर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानने और उसे निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों का इतनी बड़ी संख्या में एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना अत्यंत उत्साहजनक है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरी मेहनत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ प्रतियोगिता में आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा सभी प्रतिभागियों को आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दीं।

कल आयोजित होंगी 100 मी. एवं 200 मी दौड़ के सेमीफइनल और फाइनल दौड़ और चक्का फेंक (डिस्कस थ्रो) एवं भाला फेंक प्रतियोगिताएं

एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन 100 मी. एवं 200 मी दौड़ के सेमीफइनल और फाइनल दौड़ एवं चक्का फेंक एवं भाला फेंक की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। सभी प्रतिभागी खिलाड़ी अपने निर्धारित समय पर प्रात: 09:00 बजे बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय से पूर्व खेल प्रांगण में पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा प्रतियोगिता के नियमों एवं अनुशासन का पालन करते हुए खेल भावना के साथ प्रतिभाग करें।

निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका

प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में मुख्य निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता में डॉ. कन्हैया लाल सोनकर, डॉ. कृष्ण कुमार पांडेय, साक्षी करौसिया, अनामिका गौर, सत्येंद्र साहू, राजा बाबू एवं आरती ने निर्णायक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इनमें डॉ. स्वप्ना सक्सेना, डॉ. अमित श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञान प्रकाश अरजरिया, डॉ. रूपम सक्सेना, डॉ. विनोद कुमार बौद्ध, डॉ. रोहित तिवारी, डॉ. यज्ञपाल सिंह, प्रीती श्रीवास, मो. अरशद अहमद, अभिमन्यु सिंह, कुण्डेश्वर बाबूजी एवं कुंदन सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मेजर ध्यानचंद इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन की पूरी आयोजन समिति, निर्णायक मंडल, शिक्षकगण एवं सहयोगी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। दीक्षोत्सव के अवसर पर आयोजित यह एथलेटिक्स प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को सामने लाने का माध्यम बनी, बल्कि विश्वविद्यालय परिसर में खेल, अनुशासन, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और खेल भावना का एक शानदार वातावरण भी निर्मित कर रही है।

राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगी बुंदेलखंड की गरौठा विधानसभा, राहुल राजपूत के नेतृत्व में निकली विशाल बाईक तिरंगा यात्रा

(यंग भारत न्यूज)

मोंठ। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत के पुत्र राहुल राजपूत के नेतृत्व में मंगलवार को क्षेत्र में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और जगह-जगह यात्रा का पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री पदीप पटेल जी, जिलाध्यक्ष भाजपा, युवा नेता इं0 अशीष जमुना प्रसाद कुशवाहा जी, एवं श्री वीर प्रताप सिंह चौहान मण्डल अध्यक्ष मोंठ, श्री राजेन्द्र पाल मण्डल अध्यक्ष समथर, श्री गुरदीप सिंह गुर्जर मण्डल अध्यक्ष पूँछ, श्री बालकिशुन बरार जिला पंचायत सदस्य पूँछ, श्री सहजेन्द्र बघेल, श्री दिनेश राजपूत, श्री बल्लन गप्ता पूर्व मण्डल अध्यक्ष गरौठा, श्री राघवेन्द्र सिंह बुन्देला, श्री रामराजा राजपूत, श्री विजय सिंह अस्ता, श्री गोल्डी निरंजन, श्री अनुराग उपाध्यय, श्री नितिन मिश्रा, श्री प्रतीक जैन, श्री रवि पाल बसोवई, श्री यशवन्त राजपूत, श्रीमुकेश बघौनिया, महेन्द्र राजपूत, एवं अन्य भाजपा युवा कार्यकर्ता मौजूद रहें। विशाल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ मोंठ स्थित पुरी विवाह घर से हुआ। इसके बाद यात्रा समथर, चिरगांव खुर्द होते हुए पूँछ पहुंची और विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुन: पुरी विवाह घर, मोंठ पहुंचकर सम्पन्न हुई।

यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ शामिल हुए। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों एवं कार्यकर्ताओं ने राहुल राजपूत, आशीष कुशवाहा का ग्राम बसोबई, समथर, चिरगांव खुर्द, पूंछ में वरिष्ठ लोगों/ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए तिरंगा यात्रा का सम्मान किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ाया गया।राहुल राजपूत ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। राष्ट्रध्वज के सम्मान और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। विशाल तिरंगा यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत नजर आया।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718